सुविचार

गरीबी दैवी अभिशाप नहीं बल्कि मानवरचित षडयत्र है।

महात्मा गांधी

दैनिक

रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

वर्ष 3 | अंक 276 | जबलपुर, बुधवार 30 सितम्बर 2026 | पृष्ठ 8 | मूल्य, 01 रुपये | RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

भारत की झोली में 5वां गोल्ड मेडल शूटिंग में नीरू ढांडा ने दिलाया सोना



आइची-नागोया। एशियाई खेलों में मंगलवार को भारत की झोली में नीरू ढांडा ने गोल्ड मेडल डाल दिया। नीरू ने शूटिंग ट्रैप स्पर्धा में यह स्वर्ण पदक हासिल किया। नीरू ने फाइनल में 28 अंक हासिल कर नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया। मौजूदा एशियन गेम्स में यह भारत का पांचवां गोल्ड मेडल है। एशियन गेम्स में भारत के पदकों की संख्या अब 47 (5 गोल्ड, 21 सिल्वर और 21 ब्रॉन्ज) हो गई है। इससे पहले महिलाओं के ट्रैप टीम स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता, जबकि नीरू ढांडा ने व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई। भारत की नीरू ढांडा, आशीमा अहलावत और मनीषा कीर ने महिलाओं के ट्रैप टीम स्पर्धा में 328 अंकों के साथ रजत पदक जीता। चीन ने 346 अंक के साथ स्वर्ण और कुवैत ने 325 अंक के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। नीरू ढांडा क्वालिफिकेशन राउंड में 118 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहीं और व्यक्तिगत फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। आशीमा अहलावत और मनीषा कीर क्रमशः 106 और 104 अंक ही बना पाईं और फाइनल में जगह नहीं बना सकीं।

मप्र मोहन कैबिनेट: 24,500 करोड़ के कामों को मंजूरी

अग्निवीरों को पांच वदीर्धारी विभागों में 20% आरक्षण



भोपाल। मध्यप्रदेश कैबिनेट ने बैठक में सड़क, स्वास्थ्य, सिंचाई और शिक्षा से जुड़े कई बड़े प्रस्तावों को मंजूरी दी। अग्निवीरों को पांच वदीर्धारी विभागों की भर्ती में 20% आरक्षण देने के साथ दमोह-कटनी मार्ग के लिए 4,470 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में करीब 25,500 करोड़ रुपये के विकास कार्यों और योजनाओं को मंजूरी दी। इनमें दमोह-कटनी मार्ग, अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों के निर्माण, स्वास्थ्य केंद्रों के लिए पांच साल की योजना, सिंचाई परियोजनाओं की निरंतरता और स्कूली विद्यार्थियों की गणवेश के लिए डीबीटी सहित कई फैसले शामिल हैं। बैठक में अग्निवीरों को प्रदेश के पांच वदीर्धारी विभागों की भर्ती में 20 प्रतिशत आरक्षण देने का भी निर्णय लिया गया। कैबिनेट चार सिंचाई परियोजनाओं को भी मंजूरी दी हैं।

अग्निवीरों को पांच विभागों में 20% आरक्षण

बैठक का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय अग्निवीरों से जुड़ा रहा। सरकार ने वदीर्धारी कर्मचारियों की भर्ती वाले पांच विभागों में अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया है। इन विभागों में वन विभाग के आरक्षक, गृह विभाग के सामान्य आरक्षक, विशेष सशस्त्र बल, जेल प्रहरी और आबकारी विभाग के आरक्षक शामिल हैं। अब तक इन भर्तियों में पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण का प्रावधान था। सरकार के मुताबिक अग्निवीरों को आरक्षण देने से सेना से सेवा पूरी करने के बाद युवाओं के लिए प्रदेश में रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

दमोह-कटनी मार्ग के लिए 4,470 करोड़

कैबिनेट ने दमोह-कटनी के बीच 105 किलोमीटर लंबे मार्ग के निर्माण के लिए 4,470 करोड़ रुपये की मंजूरी दी। यह मार्ग विंध्य विकास पथ का हिस्सा है और बुंदेलखंड से विंध्य क्षेत्र के बीच कनेक्टिविटी मजबूत करेगा। इसे भाजपा के संकल्प पत्र में शामिल प्रावधानों की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

सिंगरौली में 125 बेड का नया अस्पताल

सिंगरौली में मेडिकल कॉलेज के साथ बनने वाले अस्पताल की क्षमता बढ़ाने के लिए 125 बेड के नए अस्पताल के निर्माण को 342 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई। मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 150 सीटें होने के बाद अस्पताल की अतिरिक्त जरूरत को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। छिंदवाड़ा मेडिकल कॉलेज के रिवाइज्ड एस्टिमेट को भी मंजूरी दी गई। इसके निर्माण की लागत को संशोधित किया गया है और सरकार ने काम जल्द पूरा करने के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध कराने का निर्णय लिया।

58 लाख बच्चों को गणवेश के लिए 600 रुपये डीबीटी

कक्षा एक से आठवीं तक के करीब 58 लाख विद्यार्थियों के लिए गणवेश उपलब्ध कराने की योजना में बदलाव किया गया है। गणवेश तैयार कराकर देने में हो रही देरी को देखते हुए सरकार ने अब प्रति गणवेश 600 रुपये सीधे अभिभावकों के खाते में डीबीटी के माध्यम से देने का फैसला किया है। इस पर करीब 341 करोड़ रुपये खर्च होंगे। अगले वर्ष बच्चों को बेहतर गुणवत्ता की गणवेश उपलब्ध कराने के लिए नई व्यवस्था पर विचार किया जाएगा।

विमुक्त, घुमंतू और अर्धविमुक्त वर्ग के छात्रावासों में एक रुपये किलो अनाज

विमुक्त, घुमंतू और अर्धविमुक्त विभाग के अंतर्गत चल रहे छात्रावासों, कल्याण आश्रम और अन्य संस्थानों को अब एक रुपये प्रति किलो की दर से अनाज दिया जाएगा। अभी इन संस्थानों को 12 किलो अनाज पांच रुपये प्रति किलो की दर से दिया जाता था। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रावासों की तर्ज पर यह व्यवस्था लागू की गई है।

न्यायालय भवनों के लिए 600 करोड़

न्यायालय भवनों के निर्माण के लिए केंद्र से मिलने वाली राशि के तहत 600 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। इसके अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उप स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण के लिए अगले पांच वर्षों में 3,113 करोड़ रुपये खर्च करने की स्वीकृति दी गई।

वोटर लिस्ट में बदलावों की पूरी जानकारी चाहिए', EC-SIR विवाद के बीच कांग्रेस ने रखी 5 मांगें



नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि उसने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन और वोटर रजिस्ट्रेशन के नियमों में बदलाव करके चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता से समझौता किया है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सरकार के खिलाफ अपना अभियान तेज करेगी। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि पार्टी पर लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करने की जिम्मेदारी है। उन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान वोटिंग अधिकारों के लिए कांग्रेस की लड़ाई और वोटर लिस्ट को लेकर मौजूदा अभियान के बीच समानता बताई।

खरगे ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर लगाया आरोप : उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी और मोदी सरकार के इशारे पर वोटर लिस्ट से नाम हटाए जा रहे हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त पर सरकार की कठपुतली बनने का आरोप लगाया। इसके उलट चुनाव आयोग का कहना है कि उसके फैसलों को पूरी कानूनी मंजूरी मिली हुई है और आयुक्तों के बीच अलग-अलग राय होना संस्थागत विचार-विमर्श का हिस्सा है।

फॉर्म 6 में किए गए बदलावों पर भी उठाए सवाल : खरगे ने फॉर्म 6 में किए गए बदलावों पर भी सवाल उठाए, जिसका इस्तेमाल नए वोटरों को रजिस्टर करने के लिए किया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि नियमों में इस तरह बदलाव किए गए हैं जिनसे युवा वोटर वोटिंग के अधिकार से वंचित हो सकते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की तुलना 1988 में राजीव गांधी सरकार के उस फैसले से भी की, जिसमें वोटिंग की उम्र 21 से घटाकर 18 साल कर दी गई थी।

भगोड़े नीरव मोदी के सहयोगी संदीप मिस्त्री को वअए से प्रत्यर्पण कर भारत लाई सीबीआई

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने करोड़ों डॉलर के पीएनबी घोटाले के सिलसिले में भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी के सहयोगी संदीप मिस्त्री को संयुक्त अरब अमीरात से प्रत्यर्पण के बाद गिरफ्तार कर लिया है। संदीप मिस्त्री को सोमवार को प्रत्यर्पित किए जाने के बाद, सीबीआई ने मंगलवार को औपचारिक रूप से मिस्त्री को मुंबई में गिरफ्तार कर लिया। एजेंसी ने बाद में उसे विशेष सीबीआई अदालत के समक्ष पेश किया, लेकिन उसकी रिमांड के लिए दबाव नहीं डाला। अदालत ने भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी के सहयोगी संदीप मिस्त्री को 6 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह गिरफ्तारी नवंबर 2025 में एक विशेष अदालत द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट के अनुपालन में की गई थी। मिस्त्री ने नीरव मोदी की हांगकांग स्थित कंपनी फैंसी क्रिएशंस लिमिटेड के निदेशक के रूप में काम किया था।

पेंटागन में साइबर अटैक, 30 लाख से अधिक कर्मचारियों का गोपनीय डेटा चोरी

वॉशिंगटन। अमरीका में हैकर्स ने पेंटागन के 30 लाख से ज्यादा मौजूदा और पुराने कर्मचारियों का गोपनीय डेटा चुरा लिया है, जिसमें उनके सोशल सिक्योरिटी नंबर और नौकरी संबंधी जानकारी शामिल हैं। एबीसी न्यूज ने एक अमरीकी सैन्य अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी है। मिलिट्री टाइम्स अखबार ने पिछले हफ़्ते विभाग के निजी डेटा सेंटर में सेंधमारी की रिपोर्ट दी। यह सेंघमारी अक्टूबर 2025 और जुलाई 2026 के बीच हुई। अधिकारी ने कहा कि इस सेंधमारी से 27 लाख 60 हजार ज़िंदा लोग और 294,000 मृत लोग प्रभावित हुए। ब्रॉडकास्टर ने बताया कि सामने आई जानकारी का पैमाना संवेदनशीलता राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता को बढ़ा सकती है, खासकर इसलिए क्योंकि डेटा में सैन्य और असैन्य कर्मचारियों के पदों के बारे में जानकारी थीं। नेटवर्क के सूत्रों के मुताबिक अपराधी एफबीआई कर्मचारियों की निजी जानकारी जारी करने की धमकी दे रहे हैं। एजेंसी को पता चला कि आधिकारिक नौकरी पोस्टिंग पोर्टल में सुरक्षा के सही तरीके नहीं थे। जानकारी के अनुसार एफबीआई ने उन लोगों को चेतावनी दी है जो डेटा ब्रीच से प्रभावित हो सकते हैं। कर्मचारियों को सलाह दी जाती है कि वे संदिग्ध कॉल का जवाब न दें या मीडिया से बात न करें। प्रकाशन के अनुसार पेंटागन अभी छह करोड़ से ज्यादा सक्रिय और पुराने कर्मचारियों के निजी रिकॉर्ड रखता है।

अरुणाचल में भारत-म्यांमार सीमा पर उग्रवादी हमला

असम राइफल्स का जवान शहीद, 4 घायल; गश्त के दौरान घात लगाकर फायरिंग की



इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में मंगलवार को उग्रवादी हमले में असम राइफल्स का एक जवान शहीद हो गया। 4 अन्य जवान घायल हो गए। हमला भारत-म्यांमार सीमा के पास नामपोंग सर्कल में सुबह करीब 6:30 बजे हुआ। शुरूआती रिपोर्ट के अनुसार हमला नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड का (युंग आंग गुट) के उग्रवादियों ने किया है। गश्त के दौरान गोलीबारी में हवलदार जानखोकाई कुकी (42) शहीद हो गए। हमला नामपोंग नाले के पास हुआ। इस इलाके में सीमा पर बाड़ लगाने का काम चल रहा है।

हमला NSCN-K-YA गुट ने किया

शुरूआती जांच और खुफिया रिपोर्टों से पता चलता है कि घात लगाकर किए गए हमले के लिए NSCN-K-YA (नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड का युंग आंग गुट) के उग्रवादी जिम्मेदार हैं।हमले के बाद, भारतीय सेना और जिला पुलिस ने तुरंत इलाके की घेराबंदी की और भाग रहे उग्रवादियों को पकड़ने के लिए आस-पास के जंगलों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया। पूर्वोत्तर सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।अधिकारी ने कहा कि घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में सर्च अभियान तेज कर दिया है। चांगलांग के एसपी किर्ली पाडु ने कहा कि उन्हें घटना के बारे में जानकारी मिली है और उन्होंने चांगलांग पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी को विवरण इकट्ठा करने का निर्देश दिया है।

मुंबई के रेस्टोरेंट में मसाला डोसे में मिला मरा हुआ चूहा

मुंबई। मुंबई के बोरिवली वेस्ट में एक रेस्टोरेंट में मसाला डोसे में मरा हुआ चूहा मिला है। ग्राहक ने घटना की शिकायत तुरंत बोरीवली पुलिस में की है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और लोग रेस्टोरेंट मालिक के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ग्राहक ने रेस्टोरेंट में खाने के लिए मैसूर मसाला डोसा ऑर्डर किया था। ग्राहक के भाई ने डोसे में से एक-दो निवाले खाए, उसे डोसे के अंदर मरा हुआ चूहा दिखाई दिया। डोसे के अंदर मरा हुआ चूहा देखकर लड़के ने तुरंत ही उल्टी कर दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में डोसे के अंदर मरा हुआ चूहा देखा जा सकता है। ग्राहक ने रेस्टोरेंट के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और फूड सेफ्टी जांच की मांग उठाई है।

राहुल गांधी 13 दिन में दूसरी बार आएंगे मप्र

भोपाल। मध्यप्रदेश के बालाघाट में बैगा आदिवासी बच्चों की मौतों के बीच राहुल गांधी 1 अक्टूबर को बालाघाट आएंगे। वे बैहर और बिरसा के प्रभावित आदिवासी इलाकों में जाकर मृत बच्चों के परिवारों से मुलाकात करेंगे। बालाघाट में सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 32 बच्चों की मौत हो चुकी है। राहुल गांधी का 13 दिन में मध्यप्रदेश में यह दूसरा दौरा होगा। इससे पहले वे 19 सितंबर को इंदौर आए थे। यहां उन्होंने ह्यछात्रों की गूंजह्न कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। कार्यक्रम से पहले उन्होंने लिखा था- 30 से ज्यादा आदिवासी बच्चों की बीमारी, कुपोषण मौतें हो रही हैं, लेकिन कार्रवाई सुस्त रही। सरकार सोती रही। राहुल गांधी ने कहा था- मुख्यमंत्री जी, दीये जलाने और उत्सव मनाने से फुर्सत मिल गई हो तो जरा राज्य की जमीनी हालत भी देखिए। बीमारी, पोषण और साफ पानी की कमी है। चरमराती स्वास्थ्य व्यवस्था के कारण छोटे बच्चों की जान जा रही है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- राहुल गांधी मृत बच्चों के परिवारों से मिलकर जमीनी हालात समझेंगे। उनसे जानेंगे कि सरकारी योजनाओं का लाभ आदिवासी परिवारों तक क्यों नहीं पहुंचा। बच्चों को पोषण, दलिया, मच्छरदानी और टीकाकरण जैसी जरूरी सुविधाएं नहीं मिल पाईं। वहीं, मृत बच्चों के परिवारों को आर्थिक मदद देने पर सिंघार ने कहा कि सिर्फ सहायता देना काफी नहीं है। सरकार की जिम्मेदारी है कि उसकी योजनाएं हर जरूरतमंद तक पहुंचें। स्वास्थ्य मंत्री की जिम्मेदारी तय नहीं की गई। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने चुप्पी साध ली।

आतंकवाद पर सहानुभूति नहीं, तो रिश्ते प्रभावित होंगे'

अमेरिका-पाकिस्तान की गलबहियां पर पहली बार खुल कर बोले विदेश मंत्री



नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका दौरे के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों में पिछले डेढ़ वर्षों से चले आ रहे तनाव पर खुलकर बात की। एशिया सोसायटी में सोमवार को हुए कार्यक्रम में उन्होंने साफ कहा कि व्यापार मतभेद और पाकिस्तान-पोषित आतंकवाद, ये दोनों मुद्दे भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने संकेत दिया कि अगर साझेदार देश भारत की प्रमुख संवेदनाओं का ख्याल नहीं रखते, तो उसका असर द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ेगा। आतंकवाद पर भारतीय विदेश मंत्री ने खास तौर पर जोर दिया और इसे भारत के लिए प्राथमिक संवेदनशील मुद्दा करार दिया। जयशंकर न्यूयार्क में एशिया सोसायटी की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

'हमारी चिंताओं का ख्याल नहीं तो संबंधों पर असर पड़ेगा'

उन्होंने कहा, एक-दूसरे की संवेदनाओं का ख्याल रखना महत्वपूर्ण मुद्दा है। भारत के लिए खास तौर पर आतंकवाद का मुद्दा काफी संवेदनशील है। हमें लगता है कि दुनिया में बहुत कम देश हैं जिन्होंने अपने पड़ोसी देश की तरफ से जान-बूझकर पोषित आतंकवाद को उस तरह से झेला है जैसा हमने झेला है। जो मुद्दा हमारे लिए इतना महत्वपूर्ण है, अगर कोई हमारा साझेदार हमारी प्रमुख चिंताओं का ख्याल नहीं रखता है तो इसका असर द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ेगा। उन्होंने अमेरिका की तरफ से भारत की इन संवेदनाओं का पर्याप्त ख्याल न रखे जाने की ओर भी संकेत किया।

क्यों महत्वपूर्ण है यह बयान?

यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत ने अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में आ रहे सुधार पर इतने स्पष्ट शब्दों में शायद पहली बार सार्वजनिक रूप से अपनी असहजता रखी है। पिछले वर्ष राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रुकवाने का बार-बार दावा किया। पाकिस्तान सेना प्रमुख आसिम मुनीर का व्हाइट हाउस में स्वागत भी हुआ। भारत इन घटनाक्रमों को असहजता से देखता रहा है लेकिन कभी कोई प्रतिक्रिया देने से परहेज करता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप के समर्थन से आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को कटघरे में खड़ा करने की भारत की कूटनीति इस समय कमजोर पड़ती दिख रही है, क्योंकि अमेरिका के बाद कई यूरोपीय देश भी पाकिस्तान के साथ कूटनीतिक और आर्थिक रिश्ते पटरी पर ला रहे हैं। नई दिल्ली की आशंका है कि इस माहौल में पाकिस्तान को आतंकवाद पोषित करने की और गुंजाइश मिल सकती है।

व्यापार पर जयशंकर ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर भी दो टूक कह दिया कि भारत अपने हितों से पीछे नहीं हट सकता। उन्होंने कहा कि अगर कारोबारी समझौता पूरा होता है तो द्विपक्षीय रिश्ते बेहतर होंगे।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें
7415685293
9589490996
9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

बार- बार आवेदन, निवेदन... फिर भी शासन-प्रशासन की नींद नहीं टूटी

आवेदक पटवारी की गुहार फाइलों में कैद

कार्रवाई के नाम पर सिर्फ आश्वासन – आखिर किसके इशारे पर जिम्मेदारों की चुप्पी?



दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। शासन-प्रशासन से न्याय और उचित कार्रवाई की उम्मीद लेकर आवेदक पटवारी जीतू बैरागी द्वारा लगातार आवेदन-निवेदन किए जाने के बावजूद मामला अब तक कार्रवाई की चौखट तक नहीं पहुंच सका है। एक-दो नहीं, बल्कि बार बार आवेदन निवेदन लेटर दिए जाने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से ठोस पहल नहीं होना अब शासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। आवेदक का कहना है कि मामले को लेकर वह लगातार संबंधित अधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखता आ रहा है। समय-समय पर आवेदन और लेटर देकर कार्रवाई की मांग की गई, लेकिन हर बार मामला कागजों और आश्वासनों के बीच ही घूमता नजर आया। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर आम आदमी अपनी समस्या लेकर जाए तो जाए कहां?

आवेदन पत्र पहुंचे, लेकिन कार्रवाई कहां?

आवेदक की ओर से दिए गए आवेदन लेटर के साथ ही निवेदनों में मामले की ओर जिम्मेदारों का ध्यान आकर्षित कर आवश्यक कार्रवाई का निवेदन किया गया। इसके बावजूद यदि संबंधित विभाग अब तक किसी ठोस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा है तो यह केवल एक आवेदक की परेशानी नहीं, बल्कि शासकीय व्यवस्था में जवाबदेही और संवेदनशीलता पर भी सवाल है। सरकार लगातार पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन की बात करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर यदि शिकायतकर्ता को अपनी बात सुनाने के लिए बार-बार आवेदन और निवेदन करना पड़े और फिर भी कार्रवाई नहीं हो, तो सरकारी दावों की हकीकत पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

फाइलों में दबा मामला या जिम्मेदारों की अनदेखी?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि तीन-तीन पत्रों के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी आखिर किस कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं? क्या आवेदक की शिकायत इतनी गंभीर नहीं कि उस पर समय-सीमा में निर्णय लिया जाए, या फिर संबंधित अधिकारी मामले को जानबूझकर लंबित रखे हुए हैं? आवेदक ने शासन-प्रशासन से एक बार फिर मामले में निष्पक्ष जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा उसे न्याय दिलाने की मांग की है। अब देखना यह है कि आखिर कब तक आवेदक को उसका जवाब दिया जाएगा और साथ में आवेदनों के आधार पर उचित कार्यवाही की जायेगी। या अभी और आवेदन पत्रों के बाद ही प्रशासन की नींद खुलेगी।

सलवाह में Jio-BSNL नेटवर्क से ग्रामीण परेशान: टॉवर मौजूद, फिर भी कमजोर सिग्नल और इंटरनेट की शिकायत



दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। गांवों तक डिजिटल सेवाओं की पहुंच लगातार बढ़ रही है, लेकिन घुघरी तहसील के सलवाह क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क की स्थिति को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर शिकायतें की हैं। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में Jio और इरठछ के टॉवर मौजूद होने के बावजूद कई स्थानों पर स्थिर मोबाइल नेटवर्क और उपयोगी इंटरनेट स्पीड नहीं मिल पा रही है।

टॉवर खड़े हैं, नेटवर्क कमजोर क्यों? ग्रामीणों का कहना है कि मोबाइल टॉवर स्थापित होने के बाद भी यदि उपभोक्ताओं को नियमित और भरोसेमंद सेवा नहीं मिल रही है तो इसकी तकनीकी वजह सामने आनी चाहिए। टॉवर की क्षमता, कवरेज, बैकहॉल कनेक्टिविटी, बिजली आपूर्ति और उपकरणों की स्थिति की जांच कर वास्तविक समस्या का पता लगाने की मांग की गई है। **सड़क पर सिग्नल, घर पहुंचते ही नेटवर्क कमजोर होने की शिकायत-** स्थानीय लोगों के मुताबिक Jio का नेटवर्क कई स्थानों पर कमजोर रहता है। ग्रामीणों का दावा है कि कुछ जगह सड़क या खुले क्षेत्र में मोबाइल सिग्नल मिल जाता है, लेकिन घरों के अंदर नेटवर्क कमजोर हो जाता है। इंटरनेट की गति भी कई बार इतनी कम होने की शिकायत है कि सामान्य ऑनलाइन कार्य करने में परेशानी आती है। **बैंक से पंचायत तक- डिजिटल काम पर पड़ता है असर-** ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग, पंचायत, शिक्षा, स्वास्थ्य, सहकारिता और कई सरकारी सेवाओं में इंटरनेट का उपयोग बढ़ चुका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कमजोर नेटवर्क के कारण ऑनलाइन बैंकिंग, दस्तावेज डाउनलोड, आवेदन, मोबाइल एप आधारित सेवाओं और अन्य डिजिटल कार्यों में बार-बार परेशानी का सामना करना पड़ता है। **दो-दो सिम रखने की मजबूरी का दावा-** कुछ ग्रामीणों का कहना है कि नेटवर्क की अनिश्चितता के कारण वे Jio के साथ इरठछ की सिम भी रखते हैं, ताकि एक नेटवर्क काम न करे तो दूसरे से जरूरी कार्य किया जा सके। ग्रामीणों के मुताबिक दोनों सिम में रिचार्ज कराने से अतिरिक्त खर्च भी उठाना पड़ता है। **BSNL पर बातचीत बेहतर होने का दावा, टॉवर बंद रहने की भी शिकायत-** स्थानीय उपभोक्ताओं के अनुसार कुछ स्थानों पर इरठछ से वॉयस कॉल अपेक्षाकृत बेहतर हो जाती है, लेकिन इसके टॉवर के बीच-बीच में बंद रहने की शिकायत भी ग्रामीण कर रहे हैं। इन शिकायतों की वास्तविक स्थिति टेलीकॉम कंपनी की तकनीकी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। **सिर्फ टॉवर नहीं, सेवा की गुणवत्ता भी सवालों के घेरे में-** ग्रामीणों का कहना है कि सवाल केवल मोबाइल टॉवर खड़ा होने का नहीं, बल्कि उससे मिलने वाली वास्तविक सेवा का है।



सूचना मिलते ही सलवाह चौकी प्रभारी हितेश शर्मा स्टाफ के साथ पहुंचे मौके पर, पुलिस जांच में जुटी

भैंसवाही में 70 वर्षीय वृद्ध की हत्या, गांव में मचा हड़कंप

दैनिक रेवाँचल टाईम्स - घुघरी/सलवाह। ग्राम भैंसवाही में एक 70 वर्षीय वृद्ध की हत्या किए जाने की सूचना सामने आई है। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई और ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुटने लगी। सूचना प्राप्त होते ही सलवाह चौकी प्रभारी हितेश शर्मा पुलिस स्टाफ के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया जा रहा है तथा मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है। फिलहाल हत्या के कारणों और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। घटना में कौन-कौन लोग शामिल हैं और हत्या किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा। पुलिस की जांच जारी है। जैसे-जैसे मामले में तथ्य सामने आएंगे, घटना की पूरी तस्वीर स्पष्ट होने की संभावना है।

15 दिन से स्कूलों में चूल्हे बंद, जिम्मेदारों की आंखों पर पट्टी!

भुगतान अटका तो बच्चों की थाली भी अटकी – पोषण आहार के नाम पर कागजों में व्यवस्था, जमीन पर भूखे नौनिहाल; आखिर किसकी जवाबदेही?

दैनिक रेवांचल टाईम्स - मंडला। जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए शासन की पोषण आहार व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। करीब 15 दिनों से स्कूलों में चूल्हे बंद हैं, भोजन व्यवस्था से जुड़े लोगों की हड़ताल जारी है और भुगतान नहीं होने के कारण बच्चों को मिलने वाला पोषण आहार प्रभावित हो रहा है। बावजूद इसके जिम्मेदार विभागीय अधिकारी अब तक ऐसी व्यवस्था नहीं कर पाए हैं कि बच्चों की थाली तक भोजन नियमित रूप से पहुंच सके। मामला केवल भुगतान का नहीं, बल्कि बच्चों के पोषण और उनके अधिकार से जुड़ा है। जब स्कूलों में लगातार दो सप्ताह से भोजन व्यवस्था प्रभावित है तो विभागीय अमला क्या कर रहा है? क्या अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं है, या फिर जानकारी होने के बावजूद समस्या को टालने का इंतजार किया जा रहा है?

भुगतान कितना अटका? किस स्तर पर रुका?

सबसे बड़ा सवाल लंबित भुगतान को लेकर है। कितनी राशि का भुगतान होना है? किस अवधि का भुगतान लंबित है? भुगतान किस अधिकारी या कार्यालय स्तर पर अटका है? और यदि राशि उपलब्ध है तो संबंधित हितग्राहियों के खातों में अब तक क्यों नहीं पहुंची? यदि भुगतान की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है तो इसकी जिम्मेदारी तय क्यों नहीं की गई? और यदि विभाग का कहना है कि भुगतान हो चुका है, तो फिर स्कूलों में चूल्हे बंद क्यों हैं? इन सवालों का स्पष्ट जवाब विभाग को देना चाहिए।


फाईल फोटो

कागजों में पोषण, स्कूलों में बंद चूल्हे!

सरकार बच्चों को पोषण देने के लिए योजनाएं चला रही है, बजट जारी हो रहा है और विभागीय स्तर पर योजनाओं की निगरानी का दावा किया जाता है। लेकिन मंडला जिले में करीब 15 दिनों से स्कूलों में चूल्हे बंद रहने की स्थिति इन दावों की जमीनी हकीकत पर सवाल खड़े कर रही है। जब बच्चों के भोजन की व्यवस्था ही लगातार बाधित हो, तो फिर पोषण आहार योजना की निगरानी किस स्तर पर हो रही है? क्या संबंधित अधिकारियों ने स्कूलों का भौतिक सत्यापन कराया? कितने स्कूल प्रभावित हैं? कितने बच्चों को भोजन नहीं मिल पा रहा है? इसकी विभागीय रिपोर्ट क्या है? यदि रिपोर्ट तैयार हुई है तो उसकी जिम्मेदारी किस अधिकारी की है?

बच्चों की थाली पर ताला, जिम्मेदारों पर कोई असर नहीं?

हड़ताल और भुगतान के विवाद का समाधान करना विभाग की जिम्मेदारी है। बच्चों को इसका खामियाजा भुगतने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। यदि भुगतान में देरी हुई है तो संबंधित अधिकारियों को जवाब देना होगा और यदि व्यवस्था संचालन में कोई अन्य अड़चन है तो उसे तत्काल दूर करना होगा। जिला प्रशासन को अब केवल कागजी रिपोर्टों पर भरोसा करने के बजाय स्कूलों में वास्तविक स्थिति की जांच करानी चाहिए। कितने दिन से भोजन बंद है, कितने बच्चों पर इसका असर पड़ा और अब तक कितनी राशि का भुगतान लंबित है—इन सभी बिंदुओं की सार्वजनिक जानकारी सामने आनी चाहिए।

जिम्मेदारों से सीधे सवाल

15 दिन से चूल्हे बंद हैं तो जिम्मेदार अधिकारी अब तक क्या कर रहे थे? भुगतान की कुल लंबित राशि कितनी है? राशि किस स्तर पर अटकी है? कितने स्कूल और कितने बच्चे प्रभावित हैं? हड़ताल समाप्त कराने के लिए अब तक क्या कार्रवाई हुई? और सबसे अहम— बच्चों के पोषण से खिलवाड़ की स्थिति के लिए जवाबदेही किसकी तय होगी? वही अब देखना यह है कि प्रशासन इन सवालों का जवाब देता है या फिर बच्चों की बंद थाली भी विभागीय फाइलों की तरह ह्यप्रक्रियाधीनह्न बनी रहती है।

जल जीवन मिशन की व्यवस्था पर उठे सवाल–कभी चलती है योजना, कभी सूख जाते हैं नल; ग्रामीणों ने मांगा स्थायी समाधान

परसवाड़ा में एक माह से नल-जल योजना ठप होने की शिकायत, पानी के लिए भटक रहे ग्रामीण

दैनिक रेवांचल टाईम्स - मंडला। नैनपुर तहसील के ग्राम परसवाड़ा में नल-जल योजना की जलापूर्ति को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर शिकायत की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते एक माह से अधिक समय से नलों में पानी नहीं आ रहा, जिसके कारण पेयजल जैसी बुनियादी जरूरत पूरी करने के लिए उन्हें दूसरे जलस्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या कोई पहली बार सामने नहीं आई है। नल-जल योजना कभी शुरू होती है तो कुछ समय बाद फिर बंद हो जाती है। ऐसे में लाखों रुपये खर्च कर तैयार की गई जलापूर्ति व्यवस्था का वास्तविक लाभ ग्रामीणों तक नियमित रूप से पहुंच रहा है या नहीं, इसे लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कभी चलती है योजना, कभी सूख जाते हैं नल

ग्रामीणों के मुताबिक गांव में नल-जल व्यवस्था के बार-बार बंद होने की समस्या बनी हुई है। वर्तमान में लंबे समय से आपूर्ति ठप रहने के कारण लोगों को पानी के लिए वैकल्पिक स्रोतों की ओर जाना पड़ रहा है। ग्रामीण पूछ रहे हैं कि जब घरों तक नल कनेक्शन पहुंच चुका है, तो नियमित पानी की व्यवस्था क्यों सुनिश्चित नहीं हो पा रही?

नल है, कनेक्शन है... फिर पानी क्यों नहीं?

जल जीवन मिशन का उद्देश्य केवल घर तक पाइप और नल पहुंचाना नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों को निर्धारित गुणवत्ता और पर्याप्त मात्रा में नियमित पेयजल आपूर्ति उपलब्ध कराना भी है। ऐसे में यदि परसवाड़ा में लंबे समय से पानी नहीं मिल रहा है तो योजना की वास्तविक कार्यशीलता की जांच आवश्यक हो जाती है। **खराबी कहां है—मोटर, बिजली, पाइपलाइन या जलस्रोत?-** योजना बंद होने का वास्तविक तकनीकी कारण अभी स्पष्ट नहीं है। यह जांच का विषय है कि समस्या मोटर-पंप, बिजली आपूर्ति, पाइपलाइन, जलस्रोत, टंकी अथवा संचालन व्यवस्था में से किस स्तर पर है। ग्रामीणों की मांग है कि तकनीकी अमले से योजना का निरीक्षण कराकर खराबी का कारण सार्वजनिक किया जाए और समयबद्ध मरम्मत कराई जाए।



पंचायत की भूमिका पर सवाल लेकिन जिम्मेदारी रिकॉर्ड से हो स्पष्ट

स्थानीय स्तर पर सरपंच-सचिव और पंचायत की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि किसी व्यक्ति की लापरवाही तय करने से पहले यह स्पष्ट होना जरूरी है कि योजना वर्तमान में किस विभाग अथवा ग्राम स्तरीय समिति को हस्तांतरित है, संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी किसकी है और खराबी की सूचना मिलने के बाद क्या कार्रवाई की गई।

जलकर/रखरखाव राशि का भी हिसाब हो स्पष्ट

यदि गांव में उपभोक्ताओं से जलकर अथवा संचालन-रखरखाव के लिए कोई राशि ली जा रही है, तो ग्रामीणों के सामने यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि शुल्क किस प्रस्ताव या व्यवस्था के तहत निर्धारित है, कितनी राशि वसूल हुई और उसका उपयोग योजना के संचालन एवं रखरखाव में किस प्रकार किया गया। केवल शुल्क वसूली होना अपने-आप में अनियमितता का प्रमाण नहीं है, क्योंकि ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं में संचालन एवं रखरखाव के लिए सामुदायिक शुल्क की व्यवस्था हो सकती है। लेकिन यदि शुल्क लिया जा रहा हो और इसके बावजूद लंबे समय तक पानी नहीं मिल रहा हो, तो सेवा और खर्च दोनों का पारदर्शी हिसाब ग्रामीणों के सामने रखना जरूरी हो जाता है।

ग्रामीणों के सवाल

एक माह से जलापूर्ति बंद है तो खराबी का कारण क्या है? योजना के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी किसके पास है? खराबी की सूचना कब मिली और मरम्मत के लिए क्या कार्रवाई हुई? यदि जलकर लिया जा रहा है तो उसकी राशि कहां और किस मद में खर्च हुई?

ग्रामीणों की मांग—योजना चालू कर नियमित मिले पानी

ग्रामीणों की मांग है कि संबंधित विभाग और पंचायत संयुक्त रूप से नल-जल योजना का निरीक्षण करें। खराबी का तकनीकी कारण पता लगाकर तत्काल सुधार कराया जाए तथा भविष्य में जलापूर्ति बाधित होने पर शिकायत और मरम्मत की स्पष्ट व्यवस्था बनाई जाए।

पंचायत और विभाग का पक्ष भी जरूरी

फिलहाल योजना बंद होने के कारण, संचालन व्यवस्था, जलकर वसूली और मरम्मत के प्रयासों को लेकर संबंधित पंचायत तथा विभाग का आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है। जिम्मेदारों का पक्ष मिलने के बाद यह स्पष्ट हो सकेगा कि परसवाड़ा में जलापूर्ति बाधित होने की वास्तविक वजह क्या है और इसे बहाल करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। गांव में नल लगा होना तभी सार्थक है जब उसमें नियमित पानी भी आए। परसवाड़ा के ग्रामीणों को अब आश्वासन से ज्यादा उस दिन का इंतजार है, जब उनके घरों के सूखे नलों से फिर पानी बहना शुरू होगा।

पिकअप में ठूंस-ठूंस कर भरे 6 मवेशी:मंडला की घुघरी पुलिस ने पकड़ा



दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला जिले के घुघरी थाना क्षेत्र के कचनारी गांव में पुलिस ने मवेशियों से भरी पिकअप पकड़ी है। सालवाह चौकी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर पिकअप (MP20ZR7674) को रोका। तलाशी में पांच बछड़े और एक भैंस समेत 6 मवेशी मिले। पुलिस के मुताबिक, मवेशियों को क्रूरता से वाहन में भरा गया था। **ड्राइवर समेत तीन लोग सवार थे-** पुलिस के अनुसार पिकअप में ड्राइवर समेत तीन लोग सवार थे। पुलिस ने मौके से जगत मरकाम को पकड़ लिया। वहीं ड्राइवर और रंजीत मौके से फरार हो गए। एडिशनल एसपी शिवकुमार वर्मा ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने मवेशियों के साथ पिकअप भी जब्त कर ली है। मामले में पशु क्रूरता अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।



सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगनबाड़ी केंद्र में योजनाओं की जानकारी दी गई

दैनिक रेवांचल टाईम्स - मंडला। डॉ. राधाकृष्णन वार्ड में आज दिनांक 29 सितंबर 2026 को सेवा संकल्प अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद ज्योति मलिक, सामाजिक कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी केंद्र के हितग्राही, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका उपस्थित रहीं। वही इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. राधाकृष्णन वार्ड स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1 में किया गया। इस दौरान वार्ड पार्षद ज्योति मलिक ने हितग्राहियों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने लाड़ली बहना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित अन्य योजनाओं के संबंध में



विस्तार से बताया। योजनाओं का लाभ लेने के लिए पात्रता, आवश्यक दस्तावेज और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान संबंधित योजनाओं की जानकारी जीमवती नागेश द्वारा भी साझा की गई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका ने उपस्थित हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं, बच्चों और आंगनबाड़ी केंद्र से जुड़े हितग्राहियों को शासन की योजनाओं के प्रति जागरूक करना और उन्हें पात्रतानुसार लाभ दिलाना रहा।

बांध में नहाने गया किशोर की बांध में डूबने से हुई मौत, रेस्क्यू दल ने निकाला शव, पुलिस जांच में जुटी



दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के सन्नौसी बांध में नहाने गए 14 वर्षीय बालक की डूबने से मौत हो गई। बालक का शव पुलिस और एसडीआरईएफ की टीम ने रेस्क्यू अभियान के दौरान पानी से बाहर निकाला। घटना के बाद मौके पर परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। परिजनों ने बालक की मौत को लेकर संदेह जताते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है। पुलिस के अनुसार आशिक पटेल पिता संजय पटेल 14 वर्ष अपने कुछ दोस्तों के साथ सन्नौसी बांध में नहाने गया था। कुछ देर बाद उसके दोस्त वापस अपने घर लौट आए लेकिन आशिक घर नहीं पहुंचा। शाम तक जब बालक घर नहीं आया तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और बालक की तलाश शुरू कराई। जब देर शाम तक आशिक घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने उसकी तलाश तेज की। पुलिस को घटना की जानकारी मिलने के बाद दोस्तों से पूछताछ की गई, तब बालक के बांध में डूबने की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने एसडीआरईएफ की टीम को सूचना दी। मंगलवार सुबह पुलिस और रेस्क्यू दल ने बांध में तलाश शुरू की और बालक का शव पानी से बरामद कर लिया। घटना के बाद परिजनों ने बालक की मौत को लेकर संदेह जताया है। उनका कहना है कि पूरे घटनाक्रम की जांच की जानी चाहिए। फिलहाल पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर मामले में मर्ग कायम किया है। पुलिस का कहना है कि घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

धनवाही डैम में मिला अज्ञात इंसानी शव, पुलिस मौके पर पहुंची

नौरोजाबाद थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत घुलघुली स्थित धनवाही डैम के पानी में एक अज्ञात युवक का शव दिखाई दिया है, इंसानी शव की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई और मामले की जानकारी नौरोजाबाद पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही नौरोजाबाद थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण शुरू किया। पुलिस द्वारा शव की स्थिति और घटनास्थल से जुड़े परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है। फिलहाल मृतक युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आवश्यक तफ्तीश के बाद शव को डैम से बाहर निकालकर कब्जे में लेने की कार्रवाई कर रही है।शव की पहचान और मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम तथा पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। मामले को लेकर पुलिस आसपास के ग्रामीणों से भी जानकारी जुटा रही है।



दो छात्रों का राज्य स्तर पर हुआ चयन, जिले का करेंगे प्रतिनिधित्व, विद्यालय का बढ़ाया मान

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल भालूमाड़ा के विद्यार्थियों ने खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए विद्यालय और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय के छात्र हितेश हथगेन एवं मोहम्मद सेफ का अंडर-17 फुटबॉल प्रतियोगिता में राज्य स्तर के लिए चयन हुआ है। दोनों खिलाड़ी अब इंदौर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अनूपपुर जिले की ओर से प्रदेश स्तर पर अपना प्रदर्शन करेंगे।नए स्थान तलाशें दोनों छात्रों के राज्य स्तर पर चयन की जानकारी मिलते ही विद्यालय परिवार, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। छात्रों ने जिला स्तर की प्रतियोगिता में अपने खेल कौशल, अनुशासन और बेहतर प्रदर्शन के दम पर राज्य स्तरीय टीम में स्थान बनाया है। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। हितेश हथगेन और मोहम्मद सेफ का चयन विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है। राज्य स्तर पर दोनों खिलाड़ियों के चयन से विद्यालय की खेल प्रतिभाओं को एक नई पहचान मिली है। विद्यालय के खेल शिक्षक देवेंद्र तिवारी व प्राचार्य सतीश सिंह ने दोनों खिलाड़ियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने नियमित अभ्यास और मेहनत के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों खिलाड़ी इंदौर में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं अनूपपुर जिले का नाम रोशन करेंगे।

पशु तस्करी में पीकप सहितनतीं मवेशी जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार, दो आरोपी फरार

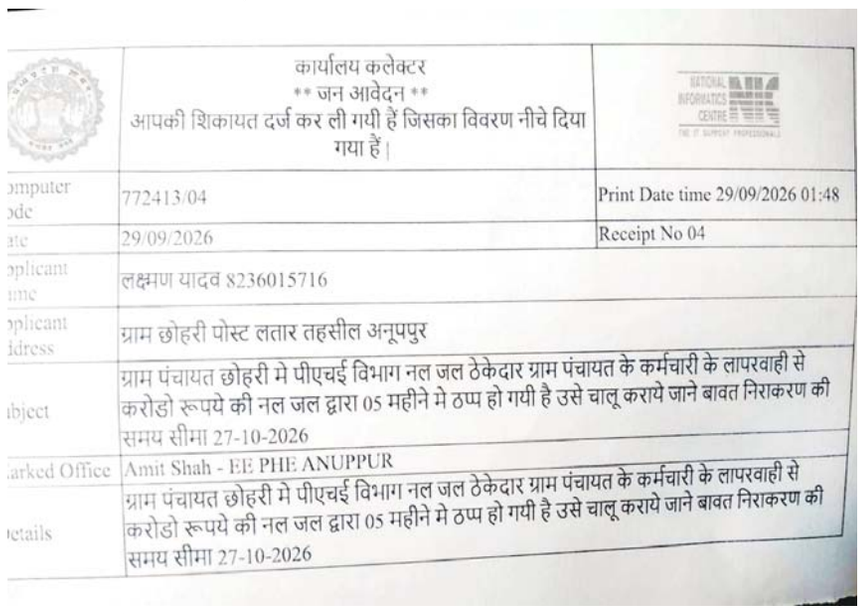


दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जैतपुर पुलिस ने एक पिकअप वाहन पकड़ा है। वाहन में तीन मवेशी लोड मिले। पुलिस के अनुसार मवेशियों को बुढ़ार थाना क्षेत्र के विक्रमपुर से लोड कर जैतपुर के तितरा ले जाया जा रहा था। पुलिस की कार्रवाई के दौरान वाहन में सवार दो आरोपी मौके से भाग निकले, जबकि चालक को पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली थी कि पिकअप वाहन में मवेशियों को भरकर तितरा की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने खैरहनी गांव के पास नाकेबंदी की। पुलिस को देखकर पिकअप चालक ने वाहन को वापस मोड़कर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा किया तो वाहन में सवार धनीराम साहू और रहम खान वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए। जबकि चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने वाहन को जब्त कर उसमें लदे तीन मवेशियों को बरामद किया है। पुलिस ने मामले में चार नामजद आरोपियों के खिलाफ पशु तस्करी सहित अन्य गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पशु तस्करी के नेटवर्क से जुड़े लोगों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। आरोप है कि तस्कर अलग-अलग गांवों से पिकअप वाहनों के जरिए मवेशियों को तितरा में एकत्र करते हैं। संख्या अधिक होने पर इन्हें बड़े वाहनों में लोड कर उत्तर प्रदेश की ओर ले जाया जाता है।

पांच महीने से ठप्प नल-जल योजना, जनसुनवाई में पहुंचकर ग्रामीण ने उठाई आवाज, करोड़ों रुपये की योजना बंद होने का आरोप

जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। ग्राम पंचायत छोहरी में करोड़ों रुपये की लागत से तैयार की गई नल-जल योजना पिछले करीब पांच महीने से बंद होने का मामला अब जिला प्रशासन की जनसुनवाई तक पहुंच गया है ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं युवा नेता लक्ष्मण यादव ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में लिखित शिकायत दर्ज कराई और ग्रामीणों की समस्या को प्रशासन के सामने प्रमुखता से रखा लक्ष्मण यादव द्वारा प्रस्तुत शिकायत में बताया गया है कि ग्राम पंचायत छोहरी में पीएचई विभाग की नल-जल योजना के माध्यम से



कार्यालय कलेक्टर
** जन आवेदन **
आपकी शिकायत दर्ज कर ली गयी हैं जिसका विवरण नीचे दिया गया हैं।

Computer Code	772413/04
Date	29/09/2026
Applicant Name	लक्ष्मण यादव 8236015716
Applicant Address	ग्राम छोहरी पोस्ट लतार तहसील अनूपपुर
Object	ग्राम पंचायत छोहरी मे पीएचई विभाग नल जल ठेकेदार ग्राम पंचायत के कर्मचारी के लापरवाही से करोडो रूपये की नल जल द्वारा 05 महीने मे ठप्प हो गयी है उसे चालू कराये जाने बावत निराकरण की समय सीमा 27-10-2026
Marked Office	Amit Shah - EE PHE ANUPPUR
Details	ग्राम पंचायत छोहरी मे पीएचई विभाग नल जल ठेकेदार ग्राम पंचायत के कर्मचारी के लापरवाही से करोडो रूपये की नल जल द्वारा 05 महीने मे ठप्प हो गयी है उसे चालू कराये जाने बावत निराकरण की समय सीमा 27-10-2026
	Print Date time 29/09/2026 01:48
	Receipt No 04

ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन योजना लंबे समय से बंद पड़ी है शिकायत के अनुसार करीब पांच माह से नल-जल व्यवस्था ठप होने के कारण ग्रामीणों को पेयजल के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है शिकायत में आरोप लगाया कि योजना के संचालन में पीएचई विभाग के नल-जल ठेकेदार तथा ग्राम पंचायत के कर्मचारियों की लापरवाही के कारण व्यवस्था प्रभावित हुई है उन्होंने प्रशासन से मामले की जांच कराकर नल-जल योजना को तत्काल चालू कराने की मांग की है उन्होंने सवाल उठाया कि जब ग्रामीणों को नियमित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन द्वारा बड़ी राशि खर्च की गई है, तो आखिर इतनी लंबी अवधि से योजना बंद रहने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा इसे चालू कराने के लिए प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए गए जनसुनवाई में दर्ज शिकायत में निराकरण की समय-सीमा 27 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है शिकायत को कार्यपालन यंत्री, पीएचई अनूपपुर के कार्यालय की ओर भी अंकित किया गया है प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर यह पता लगाया जाए कि करोड़ों रुपये की नल-जल योजना आखिर किन कारणों से पांच माह से बंद है।

अवैध शराब और नशीले पदार्थों की बिक्री व कार्यवाही व रोक की मांग, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले में अवैध शराब, गांजा, स्मैक, नशीली गोलियों, तंबाकू, गुटखा सहित अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री और सेवन पर रोक लगाने की मांग को लेकर भारतीय शक्ति चेतना पार्टी एवं भगवती मानव कल्याण संगठन जिला शहडोल के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नशे के बढ़ते प्रभाव से युवाओं और विद्यार्थियों के प्रभावित होने की बात कही गई है। ज्ञापन में मांग की गई है कि जिले में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार और तस्करी के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए। स्कूल, कॉलेज एवं छात्रावासों के आसपास नशीले पदार्थ बेचने वालों पर कार्रवाई तथा संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की नियमित गश्त और निगरानी



कर कानूनी कार्रवाई करने, युवाओं एवं विद्यार्थियों के लिए नशा विरोधी जन-जागरूकता कार्यक्रम और शिविर आयोजित करने की मांग की है। साथ ही नशे के आदी लोगों के उपचार एवं पुनर्वास के लिए नशामुक्ति केंद्रों की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने की मांग की गई। ज्ञापन में नशे संबंधी शिकायत करने वाले नागरिकों की पहचान गोपनीय रखने और शिकायतों की प्रभावी जांच करने की मांग भी शामिल है। संगठन ने जिले में अवैध रूप से शराब की बिक्री पर रोक लगाने तथा बिना नंबर के वाहनों से गांव-गांव शराब पहुंचाए जाने की शिकायतों की जांच की मांग की। ज्ञापन में सागर जिले के डंडा क्षेत्र में जहरीली शराब से हुई मौतों का उल्लेख करते हुए ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए शहडोल जिले में अवैध शराब पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की गई।



छात्रवृत्ति की राशि नहीं मिलने पर, छात्राओं ने कलक्ट्रेट पहुँचकर कलेक्टर को सौपा आवेदन, जाँच की मांग

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। छात्रवृत्ति की राशि का भुगतान लंबे समय से नहीं होने से परेशान छात्राओं ने अपनी समस्या मीडिया के सामने रखी। छात्राओं का कहना है कि उन्होंने छात्रवृत्ति के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर दी थीं, बावजूद इसके अभी तक उनके खाते में राशि नहीं पहुंची है। इस संबंध में छात्राओं द्वारा कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर आवेदन भी दिया गया है। मामला शैक्षणिक सत्र 2022-23 की छात्रवृत्ति से जुड़ा है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि छात्रवृत्ति के लिए प्रक्रिया पूरी किए जाने के बावजूद भुगतान लंबित है। छात्राओं का कहना है कि छात्रवृत्ति का भुगतान संबंधित विभागीय प्रक्रिया के तहत होना है, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी उन्हें राशि प्राप्त नहीं हुई। छात्राओं ने बताया कि छात्रवृत्ति उनके लिए पढ़ाई से संबंधित आवश्यक खर्चों को पूरा करने में महत्वपूर्ण होती है। राशि समय पर नहीं मिलने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। छात्राओं का कहना है कि वे लगातार भुगतान का इंतजार कर रही हैं, लेकिन स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है कि आखिर छात्रवृत्ति की राशि कब तक उनके खातों में पहुंचेगी। छात्राओं ने अपनी परेशानी बताते हुए कहा कि यदि दस्तावेज या प्रक्रिया से संबंधित कोई कमी है तो उसकी जानकारी उन्हें दी जाए, ताकि आवश्यक सुधार कर सकें। वहीं यदि विभागीय स्तर पर भुगतान लंबित है तो उसे जल्द पूरा कराया जाए। छात्राओं ने कलेक्टर से पूरे मामले की जांच कराने तथा संबंधित विभाग से छात्रवृत्ति भुगतान की स्थिति की जानकारी लेकर लंबित राशि जल्द से जल्द दिलाए जाने की मांग की है।

जिला बदर बदमाश तालिब को नशे के लिए 500 रुपए ने देने पर युवक पर किया चाकू से जानलेवा हमला

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। धनपुरी में कुख्यात बदमाश मो. तालिब जिस पर पहले जिला बदर की कार्रवाई हो चुकी है और जिसके खिलाफ चोरी, एनडीपीएस (नशीले पदार्थ) समेत 18 से अधिक संगीन मामले दर्ज हैं, उसने कानून-व्यवस्था को सीधी चुनौती देते हुए एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमला केवल इस बात पर किया गया क्योंकि युवक ने नशीली कफ सिरप (कोरेक्स) खरीदने के लिए 500 रुपये की रंगदारी देने से इनकार कर दिया था। ?कच्ची मोहल्ला निवासी अरमान अख्तर (उम्र 25 वर्ष, पिता मो. अख्तर हुसैन) अपने साथी मो. शाहिद के साथ पैदल अपने घर की ओर जा रहा था। जैसे ही दोनों अमरकंटक रोड पर इसरार की दुकान के सामने पहुंचे, सामने से कच्ची मोहल्ला निवासी मो. तालिब (पिता मो. रमजान



कामरेड) अचानक आ धमका और उसने रास्ता रोक लिया। ?आरोपी तालिब ने अरमान को धमकाते हुए कहा कि उसे कोरेक्स पीना है और तुरंत 500 रुपये निकाल कर दे। जब अरमान ने लाचारी जताते हुए पैसे देने से मना किया, तो आदतन अपराधी तालिब आगबबूला हो गया और सरेराह मां-बहन की गंदी-गंदी गालियां बकने लगा। जब पीड़ित ने इस अभद्रता का विरोध किया तो धारदार चाकू निकाला और अरमान की हत्या की नीयत से उस पर वार कर दिया। चाकू सीधे अरमान की बाईं कमर में जा धंसा, जिससे वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा। आरोपी मौके से भाग निकला और जाते समय जान से मारने की धमकी दिया। धनपुरी पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 की धारा 296(b), 115(2), 119(1) एवं 351(3) के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी है।

श्री कल्याण सेवा आश्रम अयोध्या में धर्म और शिक्षा का भव्य संगम, 5 अक्टूबर को उद्घाटन समारोह

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। धर्म, अध्यात्म और संस्कृत शिक्षा की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाने की दिशा में श्री कल्याण सेवा आश्रम अमरकंटक की शाखा उदासीन संत ऋषि आश्रम परिवार, रानोपाली, अयोध्या में धार्मिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के अंतर्गत संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के साथ श्री नारायण संस्कृत महाविद्यालय के नवीन भवन का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम 7 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। इस दौरान श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, धर्म, सदाचार और सनातन जीवन-मूल्यों का संदेश दिया जाएगा। कथा का वाचन डॉ. स्वामी शिवचन्द्र दास जी महाराज द्वारा किया जाएगा। आयोजन का मुख्य आकर्षण 5 अक्टूबर 2026 को होने वाला बृहद भंडारा एवं श्री नारायण संस्कृत महाविद्यालय के नवीन भवन का भव्य उद्घाटन समारोह रहेगा। कार्यक्रम के पोस्टर के अनुसार उद्घाटन समारोह राजनाथ सिंह जी, रक्षा मंत्री, भारत सरकार के कर-कमलों द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। वहीं योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को विशिष्ट अतिथि के रूप में दशार्या गया है। संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और भागवत के आध्यात्मिक संदेशों का भावपूर्ण वर्णन किया जाएगा। कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति, सेवा, संस्कार और सदाचार की प्रेरणा मिलेगी।

संपादकीय

हम चैंपियन भी, पिछड़े भी

आज खेल की कुछ बातें करते हैं। भारत की खेल-शक्ति और प्रतिभाओं में झांक कर देखते हैं। जापान में एशियाई खेल जारी हैं। रविवार तक भारत मेडल 4 स्वर्ण पदक, 17 रजत और 18 कांस्य पदकों सहित कुल 39 पदक जीत चुका है। क्रिकेट, हॉकी, तीरंदाजी, बॉक्सिंग आदि खेलों में पदक अभी प्रतीक्षित हैं, लेकिन हम आश्वस्त हैं कि पदक जीतेंगे। कबड्डी की पुरुष और महिला टीमें अपने परंपरागत प्रतिद्वंद्वी ईरान की टीमों को परास्त कर स्वर्णिम उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। यह भारत की मिट्टी और ग्रामीण अंचल का खेल है, जिसके हम सनातन चैंपियन हैं। पुरुष टीम ने 9वीं बार और महिला टीम ने चौथी बार कबड्डी में स्वर्णिम बादशाहत साबित की है। देश के बेटे-बेटियों को आसमान-जितनी बधाइयांङ्क! क्रिकेट में भारत विश्व चैंपियन रहा है। जापान में भी हमारी छोरियों ने एकतरफा मुकाबले में श्रीलंका की टीम को जमीन सुंघा दी और एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने का आगाज किया। वैश्विक और ओलिंपिक पदकधारी मीराबाई चानू भारोत्तोलन की ऐसी खिलाड़ी हैं, जिनकी झोली में एशियाई खेलों का पदक नहीं था। उन्होंने 49 किग्रा. भार-वर्ग में रजत पदक हासिल किया। यह उपलब्धि 28 लंबे सालों के बाद नसीब हुई है। 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी ने भी रजत पदक जीता था, लेकिन उसके बाद भारोत्तोलन की जीत हमसे रूठ गई। अंततः चानू ने उस खालीपन को भरा। इसी तरह मैराथन और ऊंची कूद में क्रमशः 44 और 56 लंबे सालों के बाद एशियाई रजत पदक भारत के हिस्से आए। स्कवैश जैसे गैर-परंपरागत खेल में भी हमारे नवयुवा अभय सिंह और अनाहत सिंह ने रजत पदक जीत कर भारत की उपलब्धियों को समृद्ध किया है। पदकवीरा अनाहत ऐसी पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। बीते रविवार को खेल-प्रतियोगिता के 8वें दिन भारतीय खिलाडि?ों ने 7 पदक जीते, जिनमें 4 रजत पदक थे। ऊंची कूद में सर्वेश कुशारे, मैराथन में रिकॉर्डधारी सावन बरवाल और लंबी कूद में ऐन्सी सोजन की रजतीय उपलब्धियों के बाद कह सकते हैं कि ऐसे खिलाड़ी ही हमारे राष्ट्रीय नायक हैं। भारत ने मिश्रित निशानेबाजी में भी स्वर्ण पदक हासिल किया। भारत के पास तेजस्विन शंकर, पारुल चौधरी, अंकुश पंघाल, नरेन्द्र बेरवाल, परवीन हुड्डा सरीखे खिलाड़ी मौजूद हैं, जिनमें पदक जीत भी चुके हैं और पदक पक्का भी कर लिया गया है। बहरहाल एशियाई खेलों में भारत अपनी सफलताओं और उपलब्धियों से खुश है, गौरवान्वित महसूस करता है, लेकिन कुछ सवालों के साथ असंतुष्ट भी है। दरअसल चीन, जापान, दक्षिण कोरिया सरीखे देश अंतरराष्ट्रीय और ओलिंपिक के स्तर पर हमसे बहुत आगे हैं। वे हमेशा हमारी तुलना में विजयी रहे हैं, लेकिन अब उज्बेकिस्तान, कजाखस्तान, थाईलैंड, बहरीन, ईरान और उत्तर कोरिया आदि देशों ने भी भारत से अधिक स्वर्ण पदक जीते हैं और पदक-तालिका में हमसे आगे हैं। भारत एशिया में 12वें स्थान पर है। ओलिंपिक में तो हम इक्का-दुक्का स्वर्ण पदक को तरस जाते हैं। 1970 में भीम सिंह ने आखिरी बार 2.05 मीटर ऊंची कूद लगा कर कांस्य पदक जीता था। उसके बाद अब 2026 में सर्वेश कुशारे ने 2.25 मीटर ऊंची कूद लगाई है और रजत पदक हासिल किया है। इतना फासला क्यों है? क्या 56 लंबे सालों में इस खेल का कोई सफल, पदकवीर खिलाड़ी नहीं बन पाया? चीन, जापान, कोरिया के किशोर उम्र के खिलाड़ी विश्व कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। कमोबेश वे रोबोट नहीं हैं। बैडमिंटन में पीवी सिंधु का खेल अब थकने लगा है, लेकिन उनके विकल्प तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा का खेल अनिश्चित है। खेलों के लिए 2026-27 का बजट 4479.88 करोड़ रुपए है, जो अभी तक सबसे अधिक है। खेलो इंडिया की 5 सालों (2026-31) की निरंतरता के मद्देनजर और विभिन्न खेल महासंघों की योजनाओं के लिए कुल 36,441 करोड़ रुपए खर्च करने का ऐतिहासिक फैसला किया गया है। लक्ष्य तय किया गया है कि 2036 के ओलिंपिक खेलों में भारत शीर्ष-10 और 2048 में शीर्ष-5 देशों में शामिल होना चाहिए। हमें तो नहीं लगता, क्योंकि भारतीय खिलाडि?ों में शारीरिक और मानसिक रूप से ऐसी खामियां हैं कि हमारा खेल-हुनर शीर्ष देशों के खिलाडि?ों की तुलना में कमजोर साबित होता है। यह भी संभव है कि हमारे सभी खिलाडि?ों को शीर्ष स्तर का प्रशिक्षण भी उपलब्ध नहीं है। बहरहाल एशियाई खेलों की जीत से सबक जरूर सीखना चाहिए। हम उम्मीद करें कि आने वाला समय अच्छे परिणाम लाए।

मुफ्तखोरी क्या अब बनेगी वैश्विक समस्या?

भारत में मुफ्तखोरी योजनाओं की शुरूआत कहां से हुई, उसके बारे में चर्चा करते हुए यदि हम उसके प्रकार और फैलाव के बारे में देखते हैं तो ध्यान में आता है कि सरकारी खजाने पर इसका सर्वाधिक असर पंजाब, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, राजस्थान, केरल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु आदि राज्यों में ज्यादा दिखाई देता है। भारत में मुफ्तखोरी योजनाएं, जिन्हें फ्रीबीज भी कहा जाता है, पिछले लंबे समय से एक आम बात हो चुकी हैं। मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त यात्रा से आगे बढ़ते हुए अब बात साइकिल, स्कूटी, मंगलसूत्र, लैपटॉप और टेब तक पहुंच चुकी है। राजनैतिक दल, जो पहले सैद्धांतिक रूप से फ्रीबीज का विरोध करते थे, वे भी बड़े पैमाने पर इस प्रकार की योजनाओं की घोषणाएं धड़ल्ले से करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि इन फ्रीबीज को जन कल्याण के नाम पर अन्य प्रकार से औचित्यपूर्ण भी ठहराया जाता है। इसी प्रकार की फ्रीबीज की घोषणाएं कुछ अन्य देशों में भी देखने और सुनने को मिलने लगी हैं। कुछ दिन पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सभी व्यस्क लोगों को 5 हजार डॉलर देने की पेशकश की गई है, जिसमें शर्त यह है कि राष्ट्रपति ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को अमरीकी संसद यानी हाउस और सेनेट में जीत हासिल हो। यानी अमरीका में मध्यावधि चुनावों के मद्देनजर अमरीकी मतदाताओं को सीधे तौर पर यह पेशकश है कि आप ट्रंप की पार्टी को वोट दीजिए और आपको 5 हजार डॉलर दिए जाएंगे।



दिलचस्प बात यह है कि अमरीका से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी विभिन्न एजेंसियां भारत के प्रजातंत्र के बारे में टिप्पणियां तो करती ही हैं, भारतीय प्रजातंत्र में शांतिपूर्ण चुनाव एवं सत्ता हस्तांतरण, प्रेस, मीडिया और बोलने की स्वतंत्रता, स्वायत्त न्याय पालिका एवं अन्य संस्थाओं के बावजूद भारतीय प्रजातंत्र को अत्यंत निचले स्तर पर रेटिंग की जाती है। हालांकि पिछले कुछ समय से ये एजेंसियां अमरीकी प्रजातंत्र की भी रेटिंग गिरा रही है। लेकिन अमरीकी राष्ट्रपति द्वारा सीधे तौर पर वोट के बदले नोट देने की पेशकश, दुनिया में एक नई बहस को जन्म दे रही है कि क्या अब विकास, स्वच्छ प्रशासन, संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, आमजन के लिए सुविधाओं की बजाय फ्रीबीज के आधार पर प्रजातंत्र में मतदाता वोट डाला करेंगे। ऐसे में यदि सत्ता पाने के लिए राजनीतिक दल वोटरों को राशि देने की पेशकश करने में प्रतिस्पर्धा करने लगे तो उसका खामियाजा किसे भुगतना पड़ेगा। यानी यदि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद डेमोक्रेट पार्टी इस राशि से ज्यादा की पेशकश कर दे, तो क्या होगा? यह राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता यहां रुकने वाली नहीं है, यह नीचे राज्यों तक जाएगी और वहां गवर्नर की रेस में लगे दल भी इसी प्रकार की पेशकश करने लगे, तो उसका असर जन सेवाओं पर कितना पड़ सकता है, इसका अंदाजा भारत में इस प्रतिस्पर्धा से लगाया जा सकता है। भारत में मुफ्तखोरी योजनाओं की शुरूआत कहां से हुई, उसके बारे में चर्चा करते हुए यदि हम उसके प्रकार और फैलाव के बारे में देखते हैं तो ध्यान में आता है कि सरकारी खजाने पर इसका सर्वाधिक असर पंजाब, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, राजस्थान, केरल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु आदि राज्यों में ज्यादा दिखाई देता है। भारत के महालेखाकार और अकेंक्षक (कैग) के अनुसार 2024-25 में पंजाब, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु में कुल सरकारी खर्च के 13.5 प्रतिशत से ज्यादा इस प्रकार की योजनाओं मे खर्च हो रहा था। हालांकि तमिलनाडु और दिल्ली इन मुफ्तखोरी योजनाओं के खासे चर्चित उदाहरण रहे हैं, लेकिन इन राज्यों में सरकारी कर्ज सरकारी खातों में दिखाई नहीं देता, लेकिन यह इसलिए है कि दिल्ली में प्रति व्यक्ति सरकारी राजस्व, राष्ट्रीय औसत के दुगने से भी अधिक है। इसका अप्रत्यक्ष कारण यह है कि दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय भी राष्ट्रीय औसत के मुकाबले दुगनी से भी अधिक है। कमोबेश यही स्थिति तमिलनाडु की भी है। भारतीय जनता पार्टी इन मुफ्तखोरी योजनाओं का सैद्धांतिक रूप से विरोध करती रही है। लेकिन अन्य राजनीतिक दलों की मुफ्तखोरी योजनाओं के मद्देनजर अब यह पार्टी भी सत्ता के समीकरण अपने पक्ष में करने हेतु खुलकर इन मुफ्तखोरी योजनाओं की केवल घोषणा ही नहीं कर रही, बल्कि उनके फायदे भी गिना रही है। उदाहरण के लिए मध्य प्रदेश में लाडली बहन योजना, दिल्ली में मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना और कई अन्य राज्यों में इस प्रकार की योजनाएं चल रही हैं। हालांकि दिल्ली की महिलाओं के लिए दी जाने वाली राशि केवल इसके लिए पात्र (गरीब) महिलाओं को ही मिलेगी। दिल्ली मे भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी द्वारा दी जा रही मुफ्त बिजली, पानी आदि की सुविधा को बरकरार भी रखा है।

इन सभी मुफ्तखोरी योजनाओं का असर देश पर बढ़ते कर्ज के रूप में भी दिखाई देता है। गौरतलब है कि 2010-11 में देश पर सम्मिलित कर्ज केंद्र और राज्य जीडीपी का 65.6 प्रतिशत था। जिसमें केंद्र सरकार का कर्ज जीडीपी का 48.58 प्रतिशत और राज्यों का कर्ज जीडीपी का 23.5 प्रतिशत था। गौरतलब है कि देश पर सम्मिलित कर्ज आकलित करने के लिए केंद्र और राज्यों के आपसी लेनदेन को समायोजित किया गया है। 2024-25 में यह कर्ज बढकर जीडीपी के 81.9 प्रतिशत तक पहुंच गया। जहां केंद्र सरकार का कर्ज 48.8 प्रतिशत से बढकर 57.5 प्रतिशत तक पहुंचा, राज्य सरकारों पर कर्ज 23.5 प्रतिशत से बढ़ता हुआ 28.5 प्रतिशत तक पहुंच गया। जिन राज्यों द्वारा मुफ्त खोरी की योजनाओं को ज्यादा अपनाया गया है उन राज्यों का कर्ज राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। 2024-25 में, कई राज्यों पर उनके जीएसडीपी (राज्य की जीडीपी) के मुकाबले काफी ज्यादा कर्ज था, पंजाब में यह 47.3 प्रतिशत, हिमाचल प्रदेश में 44.0 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 38.0 प्रतिशत, केरल में 37.0 प्रतिशत, राजस्थान में 36.0 प्रतिशत और आंध्र प्रदेश में 34.7 प्रतिशत। कर्ज का इतना ज्यादा बोझ राजकोषीय गुंजाइश को सीमित करता है, ब्याज का बोझ बढ़ाता है और उत्पादक सार्वजनिक निवेश को रोक सकता है। आमदनी से ज्यादा खर्च और तदनुसार घाटे के बजटों ने देश पर कर्ज बढ़ाया ही है, लेकिन हाल ही में मुफ्तखोरी की योजनाओं के चलते यह गति और तेजी से बढ़ी है।

गौरतलब है कि 2010-11 और 2018-19 के बीच देश पर कुल कर्ज 63.6 प्रतिशत से मामूली सा बढकर 66.5 प्रतिशत तक ही हुआ था। लेकिन पिछले मात्र 6 वर्षों में यह 2024-25 तक बढकर जीडीपी के 81.9 प्रतिशत तक पहुंच जाना वास्तव में चिंता का विषय है। यह भी सही है कि केंद्र सरकार की देनदारी में बड़ी वृद्धि कोरोना काल में हुई थी, जब 2019-20 और 2020-21 के दौरान केंद्र सरकार की देनदारियां जीडीपी के 62.9 प्रतिशत और राज्य सरकारों की देनदारियां 31.1 प्रतिशत तक पहुंच गई और दोनों की सम्मिलित देनदारियां 88.7 प्रतिशत तक पहुंच गई। हालांकि उसके बाद सम्मिलित लेनदारिया 81.9 प्रतिशत तक घट गई है, जिनमें केंद्र की देनदारियां 57.1 प्रतिशत हैं और राज्यों पर अभी भी ये 28.5 प्रतिशत बनी हुई हैं। ध्यातव्य है कि लेकिन अभी भी यह 2010-11 के 65.6 प्रतिशत से कहीं अधिक हैं। समझा जा सकता है कि कहीं न कहीं मुफ्तखोरी की स्कीमों के कारण राज्यों पर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है, जिसके चलते देश पर कुल कर्ज का बोझ बढ़ा है। कुछ लोगों का कहना है कि मुफ्तखोरी की यह स्कीम, जिसमें राष्ट्रपति ट्रंप ने सभी वोटरों को वायदा किया है यदि वे उन्हें सीनेट और हाउस में विजय दिला दें, तो वे हर मतदाता को 5000 अमरीकी डॉलर देंगे। भारत का उदाहरण हमारे सामने है, कि कैसे भारत के राज्यों में मुफ्तखोरी की स्कीमों के कारण वे कर्ज के बोझ तले दब रहे हैं और उसकी वजह से वे अपने नागरिकों के लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाने में असमर्थ हैं। गौरतलब है कि अमरीका में पहले से ही कर्ज का बोझ बढ़ता ही जा रहा है अमरीका में 2010-11 में कर्ज का बोझ उनकी जीडीपी का 95.7 प्रतिशत था, जो 2025 में बढ़ता हुआ, 123.9 प्रतिशत तक हो चुका है। आईएमएफ का कहना है कि अमरीका पर सरकारी कर्ज का बोझ 2030 तक उसकी जीडीपी के 141.5 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा।

राशिफल

मेष राशि :- यात्रा, भय, कष्ट, व्यवसाय बाधा, लाभ पारिवारिक समस्या उलझन भरी रहेगी।

वृष राशि :- राज, भय रोग, स्वजन सुख, शिक्षा व लेखन कार्य में सफलता व प्रगति होगी।

मिथुन राशि :- वाहन, भय, मातृ कष्ट, हानि तथा अशांति का वातावरण रहेगा, लाभ के अवसर बनेंगे।

कर्क राशि :- सफलता उन्नति शुभ कार्य विवाद राजकार्य, मामलें सुलझे, प्रगति, जीत होगी।

सिंह राशि :- शरीर कष्ट, व्यय, कार्य में सफलता, आर्थिक सुधार होने के कार्य बन जायेंगे, ध्यान दें।

कन्या राशि :- खर्च, विवाद, स्त्री कष्ट, विद्या लाभ और धीरे-धीरे सुधार होगा, अवरोध सुधार होगा।

तुला राशि :- यात्रा से हर्ष, राज लाभ, शरीर कष्ट, खर्च की यात्रा बढ़ेगी, आर्थिक कष्ट बढ़ जायेगा।

वृश्चिक राशि :- कार्य वृत्ति से लाभ, यात्रा , संपत्ति लाभ, व्यापारी गति में सुधार अवश्य होगा।

धनु राशि :- अल्प लाभ, चोट और अग्नि शरीर भय, मानसिक परेशानी अवश्य ही बनेगी।

मकर राशि :- शत्रु से हानि, कार्य व्यय, शारीरिक सुख हो, कभी-कभी कुछ कष्ट अवश्य होगा।

कुंभ राशि :- सुख, व्यय, संतान सुख कार्य सफलता उत्साह की वृद्धि होगी, ध्यान दें।

मीन राशि :- पदोन्नति राजभय, न्याय, लाभ हानि अधिकारियों से मन मुटाव अवश्य बनेगा।

ईवेन्शन्स का आईपीओ आज खुलेगा; कंपनी का रू. 38.12 करोड़ जुटाने का लक्ष्य

आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग ऋण चुकाने, सहायक कंपनी में निवेश, कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं और व्यावसायिक विकास के लिए किया जाएगा

हरियाणा। ईवेन्शन्स लिमिटेड ("कंपनी"), एमआईसीई और कॉपोर्रेट इवेंट्स क्षेत्र में कार्यरत एक उभरती कंपनी, जो भारत और अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों में इवेंट प्लानिंग, एग्जीक्यूशन, इंसेंटिव ट्रैवल और ब्रांड एक्टिवेशन जैसी सेवाएं प्रदान करती है, ने अपने आईपीओ के खुलने की घोषणा की। इश्यू बुधवार, 30 सितंबर 2026 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और सोमवार, 5 अक्टूबर 2026 को बंद होगा। इक्विटी शेयरों को एनएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। कंपनी रू. 10 अंकित मूल्य वाले 32,30,400 इक्विटी शेयरों की पेशकश कर रही है, जिनका मूल्य बैंड रू.112 से रू.118 प्रति इक्विटी शेयर है। मूल्य बैंड के ऊपरी स्तर पर इश्यू का कुल आकार रू.38.12 करोड़ है। इश्यू प्राइस का निर्धारण रू. 112 से रू. 118 प्रति इक्विटी शेयर के मूल्य बैंड के भीतर बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। इश्यू का मार्केट लॉट 1,200 इक्विटी शेयरों का है और रिटेल निवेशकों को न्यूनतम दो लॉट के लिए आवेदन करना होगा, जिसकी राशि मूल्य बैंड के ऊपरी स्तर पर रू. 2.83 लाख होगी। एचएनआई निवेशकों को न्यूनतम तीन लॉट के लिए आवेदन करना होगा, जिसकी राशि रू. 4.25 लाख होगी। कोरपोरेट प्रोफेशनल्स केपिटल प्राईवेट लिमिटेड इश्यू का बूक रनिंग लीड मेनेजर है, जबकि मुद्रा आरटीए वेन्चर्स प्राईवेट लिमिटेड इश्यू का रजिस्ट्रार है। कंपनी आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने और अपने कारोबार के अगले चरण के विकास को समर्थन देने के लिए करेगी। प्राप्त राशि में से रू. 7.00 करोड़ का उपयोग कुछ उधारी के पुनर्भुगतान और/या पूर्व भुगतान के लिए किया जाएगा, जिससे कंपनी की ऋण स्थिति को बेहतर बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, रू. 1.40 करोड़ का निवेश उसकी सहायक कंपनी में किया जाएगा। कंपनी अपनी कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं के लिए रू. 18.80 करोड़ का उपयोग करेगी, जिससे उसके बढ़ते परिचालन और बड़े स्तर के असाइनमेंट्स के निष्पादन को समर्थन देने के लिए अधिक वित्तीय लचीलापन मिलेगा। ये निवेश सामूहिक रूप से कंपनी के ऑपरेटिंग प्लेटफॉर्म को मजबूत करने और एमआईसीई तथा इवेंट मैनेजमेंट क्षेत्र में विकास के अवसरों को आगे बढ़ाने की क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से किए जाएंगे। आईपीओ पर टिप्पणी करते हुए, ईवेन्शन्स लिमिटेड के मेनेजिंग डिरेक्टर, मि. रवि रजक ने कहा, "ईवेन्शन्स ने एमआईसीई सेवाओं और इवेंट मैनेजमेंट को एक ही प्लेटफॉर्म के तहत लाकर अपना कारोबार विकसित किया है, जिससे हम भारत और अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों में कॉपपोर्रेट ग्राहकों को एकीकृत समाधान प्रदान कर पा रहे हैं। जैसे-जैसे हम अपने विकास के अगले चरण में प्रवेश कर रहे हैं, आईपीओ हमारी वित्तीय नींव को मजबूत करेगा, हमारी कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को समर्थन देगा और हमारी क्षमताओं को और विकसित करने में मदद करेगा। हमारा ध्यान ग्राहक संबंधों को मजबूत करने, अपनी एग्जीक्यूशन क्षमताओं का विस्तार करने और एमआईसीई तथा कॉपोर्रेट इवेंट्स क्षेत्र में बढ़ते अवसरों का लाभ उठाने के लिए एक स्केलेबल प्लेटफॉर्म तैयार करने पर बना रहेगा।" ईवेन्शन्स लिमिटेड ने पिछले तीन वित्तीय वर्षों में राजस्व और लाभप्रदता दोनों में मजबूत सुधार के साथ अपने वित्तीय प्रदर्शन में लगातार वृद्धि दर्ज की है। कुल आय वित्त वर्ष 2024 में रू. 87.29 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में रू. 88.02 करोड़ और फिर वित्त वर्ष 2026 में रू. 100.62 करोड़ हो गई। ईबीआईटीडीए वित्त वर्ष 24 में रू. 4.13 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में रू. 7.09 करोड़ और वित्त वर्ष 2026 में रू. 10.19 करोड़ हो गया, जबकि प्रोफिट आफ्टर टेक्स (पीएटी) इसी अवधि में रू. 3.29 करोड़ से बढ़कर रू. 5.13 करोड़ और फिर रू. 7.72 करोड़ हो गया।

सोलफेज स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक्स का आईपीओ आज खुलेगा; 21.78 करोड़ रुपये जुटाना कंपनी का लक्ष्य

कोलकाता: कोलकाता स्थित स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक्स के कारोबार से जुड़ी सोलफेज स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ("कंपनी") ने अपने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) की घोषणा की है। इस इश्यू के लिए सब्सक्रिप्शन बुधवार, 30 सितंबर, 2026 को खुलेगा और सोमवार, 5 अक्टूबर, 2026 को बंद होगा। इक्विटी शेयर बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। कंपनी 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले 39,60,000 इक्विटी शेयर 55 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के इश्यू प्राइस पर ऑफर कर रही है, जिसकी कुल राशि 21.78 करोड़ रुपये है। 55 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का इश्यू प्राइस आवेदन के समय चुकाना होगा। इस इश्यू के लिए मार्केट लॉट 2,000 इक्विटी शेयरों का है और रिटेल निवेशकों को कम से कम दो लॉट के लिए आवेदन करना होगा, जिसकी राशि 2.20 लाख रुपये होगी। एचएनआई निवेशकों को कम से कम तीन लॉट के लिए आवेदन करना होगा, जिसकी राशि 3.30 लाख रुपये होगी। फिनशोर मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड इस इश्यू के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इश्यू के लिए रजिस्ट्रार है।

कंपनी अपने रिटेल नेटवर्क के विस्तार को बढ़ाने के लिए आईपीओ से मिलने वाली राशि का उपयोग करने की योजना बना रही है, जिसमें 12 नए शोरूम शुरू करने के लिए 8.54 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस विस्तार से कंपनी की रिटेल मौजूदगी मजबूत होने और ग्राहकों तक अधिक व्यापक पहुंच बनाने की उम्मीद है। इसके साथ ही, कंपनी के बढ़ते ऑपरेशंस को सपोर्ट करने के लिए वर्किंग कैपिटल की जरूरतों के लिए 9.67 करोड़ रुपये का उपयोग किया जाएगा। बाकी 1.80 करोड़ रुपये का उपयोग सामान्य कॉपोर्रेट खर्चों के लिए किया जाएगा, जिससे कंपनी को अपनी एक्सपेंशन प्लान्स के साथ अपनी व्यापक बिजनेस जरूरतों को सपोर्ट करने के लिए जरूरी रिसोर्स मिलेंगे।

आईपीओ के बारे में बात करते हुए सोलफेज स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री उमेश कुमार अग्रवाल ने कहा, "पिछले कुछ वर्षों में, रङ्क'ीं ने चुनिंदा प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और हमारे एक्सपीरियंस सेंटर आधारित दृष्टिकोण के जरिए प्रीमियम ऑडियो, वीडियो और स्मार्ट होम ऑटोमेशन सॉल्यूशंस को ग्राहकों तक पहुंचाकर अपनी पहचान बनाई है। हमारा मानना है कि प्रीमियम होम एंटरटेनमेंट और कनेक्टेड लिविंग की बढ़ती मांग हमारे जैसे स्पेशलाइज्ड प्लेयर्स के लिए नए अवसर पैदा कर रही है। अपनी यात्रा के अगले चरण में प्रवेश करते हुए, हमारा ध्यान मार्केट में अपनी मौजूदगी मजबूत करने, ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने और प्रीमियम होम एंटरटेनमेंट तथा स्मार्ट लिविंग सॉल्यूशंस में Sollfege को एक भरोसेमंद नाम के रूप में स्थापित करने पर रहेगा।"

महिंद्रा वीरो एलएनटी एक्स्ट्रा नई अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ और भी दमदार

ग्राहकों को मिलेगा बेहतर क्षमता, स्मार्ट तकनीक और आरामदायक ड्राइविंग का अनुभव



जबलपुर। 1,600 किलोग्राम तक पेलोड, 3035 एमएम लोड बॉडी, आईमेएक्स टेक्नोलॉजी, एंड्राइड ऑटो , क्रूज कण्ट्रोल और आधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस हुआ वीरो एलएनटी एक्स्ट्रा जबलपुर। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपने लोकप्रिय एलएनटी एक्स्ट्रा को नए और अत्याधुनिक फीचर्स के साथ और भी बेहतर बनाते हुए वीरो एलएनटी एक्स्ट्रापेश किया है। कंपनी द्वारा पेश किए गए इन नए अपडेट्स के साथ वीरो एलएनटी एक्स्ट्राअब पहले से अधिक सक्षम, सुविधाजनक और तकनीकी रूप से उन्नत व्यवसायिक वाहन के रूप में ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करेगा। स्टार ऑटोमोबाइल्स, जबलपुर में होटल शॉन एलिजे , जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान महिंद्रा के अधिकारियों ने वीरो एलएनटी एक्स्ट्रामें जोड़े गए नए फीचर्स और तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि व्यवसायिक ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए वीरो एलएनटी एक्स्ट्रा को बेहतर क्षमता, आराम, सुरक्षा और आधुनिक तकनीक के साथ तैयार किया गया है। कार्यक्रम में बताया गया कि नए वीरो एलएनटी एक्स्ट्रा में 1,600 किलोग्राम तक पेलोड क्षमता, 3035 एमएम लोड बॉडी, आईमेक्स टेक्नोलॉजी, एंड्राइड ऑटो , क्रूज कण्ट्रोल और इको मोड जैसी सुविधाएं दी गई हैं। सुरक्षा के लिए ड्राइवर ,एयरबेग रिवर्स पार्किंग कैमरा , 4 फ्रंट सेफ्टी एवं एआईएस 096 कम्प्लायंसके साथ उपलब्ध हैं। इसमें 1.5 लीटर एमडीआई इंजन 80 एचपी पावर और 210 एनएम टॉर्क प्रदान करता है। साथ ही ऊ+2 सीटिंग , स्लीपिंग अरेंजमेंट और एडजस्टेबल ड्राइवर सीट जैसी सुविधाएं लंबे सफर में बेहतर आराम प्रदान करती हैं। इस अवसर पर महिंद्रा रीजनल ऑफिस से श्री अंकुर सबरवाल, श्री प्रशांत तोमर, श्री देव यादव एवं क्लस्टर ट्रेनर श्री राहुल पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्टार ऑटोमोबाइल्स के डायरेक्टर श्री रेवत सिंह, सीईओ उश श्री ललित किशोर, सीईओ ढश श्री मनीष तिवारी, जनरल मैनेजर उश श्री राज पटेल, जनरल मैनेजर श्री शैलेंद्र पांडेय एवं सेल्स हेड श्री संत सिंह, नरपत सिंह, सुमित श्रीवास्तव, सुमित कनौजिया, अजय पिल्लई, आशीष सेन , सुमित पिल्लई, अमन दुबे, साकेत साहू सहित संस्था के वरिष्ठ अधिकारी एवं शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। स्टार ऑटोमोबाइल्स के प्रतिनिधियों ने बताया कि कंपनी का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर उत्पादों के साथ उत्कृष्ट बिक्री एवं बिक्री पश्चात सेवाएं प्रदान करना है। ग्राहकों की व्यवसायिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए महिंद्रा लगातार अपने कमर्शियल वाहनों में नई तकनीक और उपयोगी सुविधाओं को शामिल कर रही है।



रसोइयों पर भोजन बनाने के दबाव का आरोप, जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन

चार माह से मानदेय नहीं, हड़ताल पर मध्यान्ह भोजन रसोइये



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी । मध्यान्ह भोजन तैयार करने वाले रसोइयों को बीते चार माह से मानदेय का भुगतान नहीं होने से उनकी आर्थिक परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। भुगतान की मांग को लेकर मध्यान्ह भोजन रसोइया संघ ने हड़ताल शुरू कर दी है। रसोइयों का कहना है कि उन्हें मात्र 4 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलता है और कई परिवार इसी आय पर निर्भर हैं। ऐसे में चार माह से भुगतान लंबित होने से परिवार के भरण-पोषण में मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। रसोइया संघ द्वारा भुगतान की मांग को लेकर मंत्री, कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ सहित संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे जाने के बावजूद भुगतान नहीं होने से नाराजगी बनी हुई है। हड़ताल के चलते प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।

हड़ताल के बावजूद भोजन बनाने के दबाव का आरोप

हड़ताल पर बैठी एक रसोइया ने आरोप लगाया कि वह ग्वारी प्राथमिक शाला में रसोइया के रूप में कार्यरत है। उसके अनुसार स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ विद्यालय के प्रधान पाठक रंजन सिंह बाकले एवं स्कूल के चपरासी द्वारा उस पर मध्यान्ह भोजन तैयार करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। रसोइया का कहना है कि जब संघ भुगतान के विरोध में हड़ताल कर रहा है, तब उससे भोजन बनाने के लिए कहना उचित नहीं है। मामले में मध्यान्ह भोजन प्रभारी, विकासखंड धनौरा उइके जी. ने कहा कि रसोइया पर भोजन बनाने के लिए दबाव डाले जाने की शिकायत की जांच कराई जाएगी। आरोप सही पाए जाने पर नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

चार माह से भुगतान लंबित, व्यवस्था पर सवाल

मामला केवल मानदेय के भुगतान तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे स्कूलों में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था के संचालन पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। जिन रसोइयों के भरोसे गरीब और जरूरतमंद बच्चों के लिए भोजन तैयार होता है, उन्हीं का मानदेय महीनों तक लंबित रहना व्यवस्था की गंभीरता पर सवाल खड़ा करता है। जब मेहनतकश रसोइयों को समय पर उनका मानदेय तक नहीं मिल पा रहा, तो ह्यराम राज्यह्न जैसी लोककल्याणकारी व्यवस्था की कल्पना पर सवाल उठना स्वाभाविक है।



क्षमता से कई गुना अधिक सवारी बैठाकर दौड़ रहा वाहन, बच्चे बाहर लटकने को मजबूर

परिवहन विभाग की निगरानी पर उठे सवाल

स्कूली बच्चों की जान से खिलवाड़! 9 सीटर मैक्स में 24 बच्चे, गैस सिलेंडर और सामान भी लदा

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। ग्रामीण अंचल पिंडरई एवं पाटन-चंदरपुर की ओर संचालित होने वाले वाहनों में नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि नौ सीटर मैक्स वाहन में करीब 24 स्कूली बच्चों, जिनमें बालिकाएं भी शामिल हैं, को बैठाकर ले जाया जा रहा था। वाहन में गैस सिलेंडर सहित अन्य सामान भी लदा होने की बात सामने आई है। क्षमता से अधिक सवारी होने के कारण कुछ यात्री और बच्चे वाहन के बाहर लटकते हुए नजर आए। मिली जानकारी के अनुसार मैक्स वाहन क्रमांक एमपी 22 बी 9911 में निर्धारित क्षमता से कई गुना अधिक बच्चों को बैठाया गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि वाहन ग्रामीण मार्गों पर नियमित रूप से टैक्सी के रूप में संचालित होता है और क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने के साथ सामान भी ढोया जाता है।

क्षमता से अधिक सवारी, कभी भी हो सकता है हादसा

ग्रामीणों का कहना है कि कुरई क्षेत्र के विभिन्न मार्गों पर कई वाहन निर्धारित नियमों का पालन किए बिना संचालित हो रहे हैं। ऐसे वाहनों में स्कूली बच्चों को ठूंस-ठूंसकर बैठाया जाना उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता का विषय है। अचानक ब्रेक लगने, वाहन अनियंत्रित होने या दुर्घटना की स्थिति में गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ग्रामीणों ने परिवहन विभाग से वाहन की फिटनेस, परमिट, बीमा, चालक के लाइसेंस एवं अन्य दस्तावेजों की जांच करने तथा स्कूली बच्चों के परिवहन से जुड़े नियमों का पालन हो रहा है या नहीं, इसकी भी जांच की मांग की है।

कहां हैं जिम्मेदार या फिर हादसे का इंतजार?

जब सड़क पर क्षमता से कई गुना अधिक बच्चों को लेकर वाहन दौड़ने की तस्वीरें सामने आ रही हों, तब सबसे बड़ा सवाल निगरानी व्यवस्था पर उठता है। क्या जिम्मेदार विभाग किसी बड़े हादसे के बाद ही जागेगा? ग्रामीणों ने मांग की है कि मामले की तत्काल जांच कर नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि स्कूली बच्चों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता न हो।

3 अक्टूबर को होगा रक्तदान शिविर, 8 अक्टूबर को ध्वजारोहण के साथ होगी 4 दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का श्रीगणेश

11 अक्टूबर को भव्यता से मनाया जाएगा महाराज श्री अग्रसेन का जन्मोत्सव



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। अग्रकुल प्रवर्तक श्री श्री 1008 महाराजाधिराज अग्रसेन जी का 5180वां जन्मोत्सव को 11 अक्टूबर को जबलपुर रोड लूघरवाड़ा के अग्रोहाधाम श्री अग्रसेन भवन में सिवनी अग्रवाल समाज समिति द्वारा मनाया जाएगा। कार्यक्रमों को भव्य बनाने अंतिम रूप दिया जा रहा है। पांच दिवसीय विविध सांस्कृतिक, धार्मिक व मनोरंजक कार्यक्रमों में सामाजिकजनों की सहभागिता होगी। मानव सेवा संकल्प के तहत 3 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से विशाल रक्तदान शिविर होगा। जबकि दोपहर 3 बजे संगीतमय सामूहिक सुंदरकांड पाठ होगा। इसी दिन सुबह 6:30 बजे से सात दिवसीय नि:शुल्क योग शिविर प्रारंभ होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुभारंभ 8 अक्टूबर को सुबह 10 बजे ध्वजारोहण से किया जाएगा। नगर के गंगानगर निवासी प्रसिद्ध अनाज व्यवसायी श्री दुर्गाप्रसाद अग्रवाल द्वारा महाराजश्री अग्रसेन, कुलदेवी माता महालक्ष्मी के विधिवत पूजन के बाद ध्वज पताका फहराया जाएगा। इसी दिन शाम 7 बजे से समाज के पांच महिला मंचों की प्रस्तुति होगी। जिसमें अग्रोहा सखी मंच, माधवी मंच, प्रगति महिला मंच, अग्रसेन महिला एकता मंच, अग्रनारी शक्ति मंच द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे। साथ ही मैरिज ग्रुप और बैचलर ग्रुप में बालीवुड जोड़ी प्रस्तुति होगी। मेरा संदेश समाज के नाम एक्ट प्रस्तुति और हास्य कवि सम्मेलन में कलाकार अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।

10 अक्टूबर को सजेगा आनंद मेला

9 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे से सब्जियों के बुके बनाओ, बिंदियों से जेवर सजाओ, 1 मिनट गेम, क्ले आर्ट, दीवाली हेम्पर बनाओ प्रतियोगिता होगी। दोपहर 4 बजे से ड्राइंग प्रतियोगिता अलग-अलग वर्ग के बच्चों के लिए होगी। शाम 7 बजे से रील बनाओ, नृत्य और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता होगी। 10 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से आनंद मेला सजेगा, जिसमें खान-पान व हस्तकला के स्टाल के साथ म्यूजिकल चेयर, पासिंग द पार्सल व क्विज प्रतियोगिताएं होंगी। शाम 7 बजे खेलो और जीतो कार्यक्रम के तहत आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे।

गंगानगर से निकलेगी भव्य वाहन रैली

अग्रवाल समाज समिति के प्रवक्ता श्री संजय अग्रवाल ने बताया कि 11 अक्टूबर को मुख्य समारोह से पहले सुबह 10 बजे गंगानगर से भव्य वाहन रैली रवाना होगी, जो शहर के प्रमुख मार्गो का भ्रमण करते हुए लूघरवाड़ा श्री अग्रसेन भवन पहुंचेगी। श्री अग्रसेन महाराज का हवन-पूजन मुख्य यजमान श्री राजकुमार-संध्या अग्रवाल द्वारा कराया जाएगा, जिसमें सामाजिकजनों की सहभागिता रहेगी। दोपहर 1 बजे से मंचीय कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत, परिचय और उद्बोधन होगा। दोपहर 2 बजे से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विजेता प्रतिभागियों व समाज के मेघावी छात्रों को पारितोषिक अतिथियों द्वारा वितरित किए जाएंगे। शाम 5 बजे अग्रवाल धर्मशाला दुर्गा चौक से परंपरा अनुसार गाजे-बाजे के साथ महाराज श्री की भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी जो पूरे नगर का भ्रमण करेगी। अग्रवाल समाज समिति ने सभी अग्रबंधुओं से कार्यक्रमों में सपरिवार उपस्थित होकर सामाजिक एकता का परिचय देने का आग्रह किया है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत वृक्षारोपण में लिया हिस्सा, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल को बताया महत्वपूर्ण

लखनादौन में विधायक दिनेश राय मुनमुन ने रोपे पौधे, महिला सशक्तिकरण केंद्र की शुरूआत





दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- सेवा संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को लखनादौन में आयोजित विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम में सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन ने सेवा मित्रों, स्कूली विद्यार्थियों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पौधरोपण किया। इस अवसर पर विधायक ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों को पौधों के संरक्षण और हरित वातावरण के लिए सामूहिक प्रयास करने का संदेश दिया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, भाजपा के वरिष्ठजनों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में मातृशक्ति, छात्र-छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्थानीय नागरिक तथा प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। **महिला सशक्तिकरण केंद्र का किया शुभारंभ-** वृक्षारोपण कार्यक्रम के बाद विधायक लखनादौन के शिवाजी वार्ड पहुंचे, जहां एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन द्वारा आयोजित महिला सशक्तिकरण केंद्र के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। केंद्र की शुरूआत पर उन्होंने आयोजकों और उपस्थित महिलाओं को शुभकामनाएं दीं। विधायक ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने वाले प्रयास समाज के लिए महत्वपूर्ण हैं। महिला सशक्तिकरण केंद्र महिलाओं के कौशल विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में उपयोगी मंच बन सकता है। कार्यक्रम में फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं सदस्य, मातृशक्ति और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। दिनभर आयोजित कार्यक्रमों में पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण—दोनों सामाजिक सरोकारों को प्रमुखता दी गई।

डुंडा सिवनी में टूटी रेलिंग से हादसे का खतरा, 3.39 लाख के RCC पिलर निर्माण का टेंडर अब तक धरातल पर नहीं

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- डुंडा सिवनी के वार्ड क्रमांक 6 कबीर वार्ड स्थित मोती नाला ब्रिज की टूटी रेलिंग राहगीरों के लिए खतरा बनी हुई है। समस्या के समाधान के लिए नगर पालिका परिषद सिवनी ने फ्ळउ पिलर निर्माण कार्य का टेंडर जारी किया है, जिसकी लागत ?3,39,075 और कार्य अवधि 45 दिन निर्धारित है। जानकारी के अनुसार ठेकेदार द्वारा टेंडर प्रक्रिया में भाग लिए काफी समय बीत चुका है, बावजूद इसके मौके पर निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है।

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर काम शुरू कराने में अड़चन क्या है? यदि टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है तो नगर पालिका द्वारा संबंधित ठेकेदार को काम शुरू कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही? यह मामला महज निर्माण कार्य का नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। ब्रिज की दोनों ओर क्षतिग्रस्त रेलिंग के कारण किसी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। ऐसे में फाइलों में टेंडर और मौके पर काम का इंतजार—यह स्थिति कब तक चलेगी? नगर पालिका के दस्तावेज में इस कार्य की अवधि 45 दिन निर्धारित है तथा संबंधित कार्य के साथ एस्टीमेट और इडद भी जारी किए गए हैं।

टेंडर भरने के बाद भी मोती नाला ब्रिज पर काम क्यों नहीं?



काम नहीं हो रहा तो दूसरा विकल्प क्यों नहीं?

स्थानीय लोगों की मांग है कि नगर पालिका परिषद इस मामले में स्थिति स्पष्ट करे। यदि ठेकेदार को कार्यादेश मिल चुका है और इसके बावजूद वह निर्धारित समय में काम शुरू नहीं कर रहा है, तो नियमों के अनुसार कार्रवाई करते हुए वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार किया जाना चाहिए, ताकि सुरक्षा से जुड़े इस कार्य को अनिश्चितकाल तक लंबित न रखा जाए। अब सवाल नगर पालिका से है—मोती नाला ब्रिज पर काम कब शुरू होगा और लोगों को इस खतरे से कब राहत मिलेगी?

सेवा कार्यों के जरिए भगत सिंह के विचारों को किया नमन

जिला अस्पताल में मरीजों-परिजनों को स्वल्पाहार, वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ केक काटकर मनाया शहीद-ए-आजम का जन्मोत्सव

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती के अवसर पर दीपक जयहिंद टीम सिवनी द्वारा 28 सितंबर को सेवा, सम्मान और मानवता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। टीम ने भगत सिंह के देशप्रेम, त्याग और सामाजिक सरोकारों को जनसेवा से जोड़ते हुए जिला अस्पताल और वृद्धाश्रम में सेवा कार्य किया। **जिला अस्पताल में मरीजों एवं परिजनों को बांटा स्वल्पाहार-** कार्यक्रम की शुरूआत जिला चिकित्सालय सिवनी से हुई। टीम के सदस्यों ने अस्पताल में उपचाररत मरीजों एवं उनके परिजनों को स्वल्पाहार वितरित किया। टीम का कहना था कि जरूरतमंदों की सेवा और उनके बीच सहयोग की भावना ही मानवता का सार है।

वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ मनाया जन्मोत्सव- इसके बाद टीम के सदस्य वृद्धाश्रम पहुंचे, जहां बुजुर्गों के साथ आत्मीयता से केक काटकर भगत सिंह का जन्मोत्सव मनाया गया। इस दौरान बुजुर्गों को स्वल्पाहार वितरित करने के साथ टीम सदस्यों ने उनके साथ समय बिताया और उनका आशीर्वाद लिया।



युवाओं के लिए प्रेरणा हैं भगत सिंह

दीपक जयहिंद टीम सिवनी के संस्थापक दीपक डेहरिया ने कहा कि भगत सिंह का जीवन युवाओं को देशप्रेम, साहस, त्याग और सामाजिक जिम्मेदारी की प्रेरणा देता है। उनके विचारों को केवल नारों तक सीमित रखने के बजाय सेवा कार्यों के माध्यम से समाज तक पहुंचाना ही जन्मोत्सव मनाने का सार्थक प्रयास है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति समाजसेवा और राष्ट्रहित के कार्यों में आगे आए तो सकारात्मक बदलाव की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाया जा सकता है। कार्यक्रम में दीपक जयहिंद टीम के सदस्यों एवं सहयोगियों की सहभागिता रही। टीम ने ह्यसेवा, सम्मान और राष्ट्रप्रेमह्न के संदेश के साथ भगत सिंह को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

जीपीएफ भुगतान से लेकर अवैध कब्जे, पट्टे, किसान सम्मान निधि और अनुकंपा नियुक्ति से जुड़े आवेदन पहुंचे

जनसुनवाई में 168 आवेदकों ने रखीं समस्याएं अधिकारियों ने दिए निराकरण के निर्देश

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- जिले में प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के तहत मंगलवार को जिला मुख्यालय सहित विकासखंड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर लोगों की समस्याएं सुनी गईं। जिला स्तरीय जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 168 आवेदकों ने अपनी समस्याओं और मांगों से संबंधित आवेदन अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंजली शाह, अपर कलेक्टर नीलमणी अग्निहोत्री सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सिवनी निवासी केवलसिंह गौतम ने जीपीएफ एवं मेडिकल बिल के भुगतान, छपारा तहसील के ग्राम लालपुर कला निवासी बलदेव प्रसाद सोनी ने अवैध कब्जा हटाने, जबकि कातलबोडी निवासी ज्ञानचंद चौधरी ने रेडक्रास सोसायटी से आर्थिक सहायता दिलाने की मांग रखी। बरघाट तहसील के पटेल टोला निवासी रामदास बनवाले ने जीपीएफ की जमा राशि दिलाने, सिवनी निवासी लालमन हल्दकार ने सेवानिवृत्ति के बाद आगामी वेतन वृद्धि का लाभ दिलाने तथा जैतपुरकला निवासी संजय बघेल ने गांव के गलत नक्शे में सुधार किए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। इसी तरह कबीर वार्ड सिवनी निवासी माधोप्रसाद उईके ने आवासीय भूमि का धारणाधिकार पट्टा, धनौरा तहसील के ग्राम कोण्डरा निवासी राजकुमार उईके ने किसान सम्मान निधि की किस्त नहीं मिलने तथा घंसौर तहसील के ग्राम मेहरतला निवासी अंकित यादव ने पिता की शासकीय सेवा के दौरान मृत्यु के बाद अनुकंपा नियुक्ति दिलाने की मांग रखी। अधिकारियों ने सभी आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागाध्यक्षों को प्रकरणों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई एवं शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



टूटे पुल पर मंत्री प्रहलाद पटेल ने घेरा

प्रमुख सचिव बोले, बजट प्रावधान किया है, जल्दी ही काम पूरा कराकर चालू कराएंगे रोड

भोपाल। मोहन कैबिनेट की बैठक के दौरान खराब सड़कों को लेकर आज मंत्री प्रहलाद पटेल ने लोक निर्माण विभाग के काम पर सवाल खड़े कर दिए। मंत्री पटेल ने दमोह कटनी मार्ग को फोरलेन किए जाने के प्रस्ताव के दौरान विभाग की कार्यशैली को घेरते हुए कहा कि गैसाबाद में पुल एक साल से अधिक समय से टूटा हुआ है। इससे लोगों को परेशानी हो रही है। इस पुल के टूटने से वाहनों को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कों से गुजरना पड़ता है और भारी वाहनों के कारण ये सड़कें भी टूट रही हैं। मंत्री प्रहलाद पटेल के सवाल उठाने पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि विभाग इसे देखे। इस पर लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह ने कहा कि यह पुल जल्दी ही चालू कराने की तैयारी है। इसके लिए विभाग ने बजट का प्रावधान कर रखा है और प्रायरिटी के आधार पर जल्दी ही काम पूरा कराकर चालू किया जाएगा।

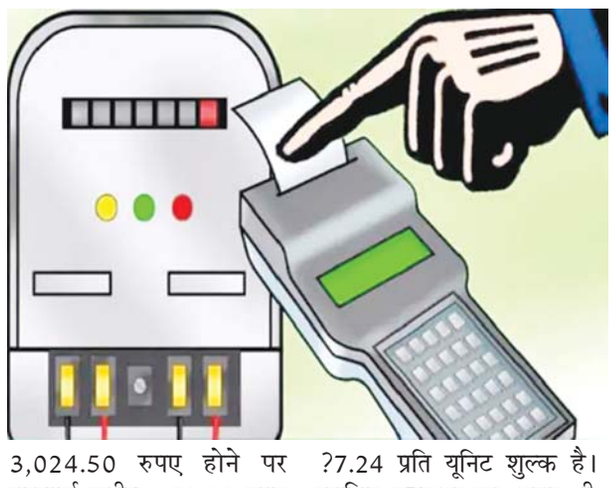


मंत्री पटेल ने कहा कि पुल टूटे हुए एक साल से अधिक समय हो चुका है। पटेल ने यहां तक कहा कि आखिर क्या कर रहे हैं? इसकी ओर ध्यान देना चाहिए। इस पर सीएम यादव ने इसे जल्दी ठीक कर आवागमन चालू कराने के लिए कहा गया। बताया जाता है कि इस दौरान यह बात भी सामने आई है कि इस मार्ग का पुल टूटने के बाद स्थानीय जनों द्वारा बाजार भी बंद कर विरोध किया जा चुका है। इसके अलावा शहपुरा मार्ग के पुल को लेकर भी कैबिनेट में चर्चा की गई है जिसका काम अधूरा है।

जनहित याचिका भी लगा चुके हैं परेशान लोग : बताया जाता है कि पन्ना-दमोह-गैसाबाद मार्ग और पुल की बदहाली को लेकर जबलपुर हाईकोर्ट में जनहित याचिका भी दायर की गई है, जिसमें जल्द समाधान की मांग की गई है लेकिन सरकार एक साल बीतने के बाद भी इसे ठीक नहीं कर पाई है। इस पुल पर आवागमन बंद होने से सात माह पूर्व सेमरिया और आसपास के नाराज ग्रामीणों ने पुल पर ही धरना देकर नारेबाजी की थी और प्रशासन से तुरंत रास्ता खोलने की मांग की थी। तब यह बात सामने आई थी कि जर्जर पुल के बगल में ही एक नया पुल बनकर तैयार खड़ा है, लेकिन पिछले दो साल से प्रशासन इसकी 'एप्रोच रोड' (पहुंच मार्ग) नहीं बना पाया है।

सीमा में फंसे होने के कारण अटका काम : दो जिलों की सीमा में फंसे होने के कारण इस पुल का काम अटका हुआ है, जिसका खामियाजा गैसाबाद की जनता भुगत रही है। लोगों का कहना है कि अगर पक्की सड़क बना दी जाती, तो उन्हें इस परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। इस मामले में दमोह के पूर्व कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जनता की परेशानी के लिए तब माफी भी मांगी थी लेकिन सुरक्षा कारणों से आवागमन को बंद रखना जरूरी बताया था।

बिजली बिल बढ़ेगा:नई दर 24 सितंबर से 23 अक्टूबर तक लागू...



100 यूनिट पर 2.46 रुपए और 500 पर 14.31 रुपए ज्यादा

भोपाल। प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं की जेब पर फिर अतिरिक्त भार पड़ने जा रहा है। 24 सितंबर से 23 अक्टूबर तक जारी होने वाले बिजली बिलों में ईंधन एवं बिजली खरीदी समायोजन सरचार्ज यानी एफपीपीएएस अब 5.063% की दर से जोड़ा जाएगा। अभी यह 4.59% था। यानी नई दर में 0.473 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी हुई है। यह राशि हर उपभोक्ता के बिल में लागू होगी, हालांकि वास्तविक असर खपत और ऊर्जा शुल्क के स्लैब पर निर्भर करेगा। इससे 100 यूनिट मासिक खपत करने वाले भोपाल के दो लाख उपभोक्ताओं को करीब 8 लाख रुपए अतिरिक्त देने होंगे।

बिजली खरीदी समायोजन सरचार्ज बिजली के ऊर्जा शुल्क पर लगता है। उदाहरण के लिए 300 यूनिट की खपत पर यदि ऊर्जा शुल्क 1,576.50 रुपए है, तो 5.063% यह सरचार्ज करीब 79.82 रुपए होगा। 500 यूनिट पर ऊर्जा शुल्क 3,024.50 रुपए होने पर सरचार्ज करीब 153.23 रुपए होगा। यानी उपभोक्ता को पूरे बिल पर 5.063% नहीं देना है।

खपत जितनी ज्यादा, उतना ज्यादा भार

बिजली मामलों के जानकार एवं रिटायर्ड एडिशनल चीफ इंजीनियर राजेंद्र अग्रवाल बताते हैं कि पिछली 4.59% दर की तुलना में 300 यूनिट पर करीब 7.46 और 500 यूनिट पर करीब 14.31 रु की अतिरिक्त राशि बनेगी। 100 यूनिट पर यह करीब ?2.46 और 200 यूनिट पर करीब 4.12 रु ज्यादा होगी। इसलिए 120 रु की अतिरिक्त राशि को केवल इस सरचार्ज की दर वृद्धि से जोड़ना सही नहीं होगा। वास्तविक बिल में फिक्स्ड चार्ज, बिजली शुल्क, मीटर शुल्क, सब्सिडी और अन्य मद शामिल होने से अंतिम रकम अलग हो सकती है।

स्लैब बदलने से बदलता है असर... उपभोक्ताओं के लिए ऊर्जा शुल्क अलग-अलग स्लैब में तय है। मौजूदा दरों में पहले 50 यूनिट पर ?4.71, 51 से 150 यूनिट पर ?5.67, 151 से 300 यूनिट पर ?7.05 और 300 से ऊपर ?7.24 प्रति यूनिट शुल्क है। इसलिए ऋढअर का असर भी हर यूनिट पर एक जैसा नहीं बैठता। ऊर्जा शुल्क पर इसका प्रभाव करीब 24 से 37 पैसे प्रति यूनिट के बीच पड़ता है।

क्यों बढ़ता है सरचार्ज

बिजली बनाने और खरीदने की लागत हर महीने समान नहीं रहती। कोयला, ईंधन और पावर खरीद की कीमत में बदलाव होने पर उसकी भरपाई के लिए सरचार्ज लगता है। यानी यह स्थायी बढ़ोतरी नहीं, बल्कि बिजली खरीद लागत का मासिक समायोजन है। लागत बढ़ने पर सरचार्ज बढ़ और लागत घटने पर कम भी हो सकता है।

पूरे बिल पर नहीं लगेगा

अग्रवाल के मुताबिक, 5.063% सरचार्ज पूरे बिजली बिल पर नहीं, केवल ऊर्जा शुल्क पर लगेगा। बिल में ऊर्जा शुल्क और सरचार्ज की राशि अलग-अलग दिखाई जाएगी, जिससे उपभोक्ता वास्तविक अतिरिक्त भार समझ सकेंगे। बाद में इसकी वास्तविक लागत का ट्रू-अप भी हो सकता है। यह सरचार्ज बिजली की मूल दर में स्थायी बढ़ोतरी नहीं है।

रायसेन में सड़क की बदहाली पर मतदान बहिष्कार

सालेरा-मऊ पथरई में ग्रामीण अड़े, अधिकारियों की समझाइश के बाद शुरू हुई वोटिंग

रायसेन। रायसेन जिला पंचायत वार्ड क्रमांक-3 में मंगलवार को हो रहे उपचुनाव के दौरान सालेरा और मऊ पथरई गांव में ग्रामीणों ने सड़क की बदहाली और निर्माण की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार कर दिया। ग्रामीणों का कहना था कि रायसेन से सालेरा तक की सड़क कई वर्षों से खराब है। सड़क की मरम्मत और निर्माण के लिए वे वर्ष 2023 से लगातार मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हुआ। मतदान शुरू नहीं होने की सूचना मिलने पर एसडीएम मनोज उपाध्याय, एसडीएम मनीष शर्मा, तहसीलदार भरत सिंह और प्रधानमंत्री सड़क विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से चर्चा कर उन्हें मतदान के लिए समझाया। अधिकारियों की समझाइश के बाद ग्रामीण मतदान के लिए तैयार हुए। सबसे पहले मऊ पथरई में मतदान शुरू हुआ, इसके बाद सालेरा में भी वोटिंग शुरू हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि रायसेन से



सालेरा तक की सड़क प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत आती है और लंबे समय से खराब हालत में है।

प्रत्याशी पूजा चौकसे भी पहुंचीं ग्रामीणों के बीच : वार्ड क्रमांक-3 से प्रत्याशी पूजा राकेश चौकसे ने खंडेरा माता मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद नरवर में अपना मतदान किया। इसके बाद वे सालेरा और मऊ पथरई पहुंचीं, जहां ग्रामीण सड़क की मांग को लेकर मतदान का विरोध कर रहे थे। उन्होंने ग्रामीणों से मतदान करने की अपील की।

सीट रिक्त कराने सुप्रीम कोर्ट तक लड़ी लड़ाई : वार्ड क्रमांक-3 की प्रत्याशी पूजा राकेश चौकसे ने बताया कि इस सीट को रिक्त कराने के लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट तक कानूनी लड़ाई लड़ी है। इससे पहले चुनाव में प्रत्याशी रहे राजेंद्र बघेल के चुनाव को उन्होंने गलत दस्तावेजों के आधार पर चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में उनके पक्ष में फैसला आने के बाद सीट रिक्त हुई और अब दोबारा उपचुनाव हो रहा है। पूजा चौकसे ने इसे अपने लिए सम्मान की लड़ाई बताया।

पहली बार शहर तक पहुंचा तेंदुआ

कटारा हिल्स में दो दिन से दहशत, 0-12 जगह ट्रैप कैमरे, लाहरपुर इकोलॉजिकल पार्क में वॉकिंग पर रोक

भोपाल। राजधानी के शहरी इलाके में पहली बार तेंदुए की मौजूदगी से कटारा हिल्स क्षेत्र में दहशत का माहौल है। वार्ड नंबर 55 के लाहरपुर स्थित इकोलॉजिकल पार्क के आसपास जंगल में तेंदुए का मूवमेंट सामने आने के बाद वन विभाग की टीमें दो दिन से 20-25 किमी के दायरे में सर्चिंग कर रही हैं। हालांकि, अब तक तेंदुए की लोकेशन ट्रेस नहीं हो सकी है। रात में उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 10 से 12 स्थानों पर ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए इकोलॉजिकल पार्क में मॉर्निंग और इवनिंग वॉक पर रोक लगा दी गई है। आसपास के रहवासी क्षेत्रों में भी अलर्ट जारी किया गया है। वन विभाग की टीमें ग्रामीणों के साथ अलग-अलग हिस्सों में



सर्चिंग कर रही हैं। गांवों में मुनादी कराकर लोगों को रात के समय विशेष सावधानी बरतने और तेंदुआ दिखाई देने पर उसके करीब नहीं जाने की हिदायत दी जा रही है।

सोसायटियों में मैसेज भेजकर लोगों को किया अलर्ट : अरविंद विहार रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी संजीव दीक्षित ने बताया कि सोसायटी के सदस्यों से पार्क की ओर नहीं जाने और रात में बेहद जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलने के लिए कहा गया है। आसपास की सोसायटियों में वॉट्सऐप ग्रुप के जरिए भी लगातार जानकारी साझा की जा रही है। पुलिस और वन विभाग के अधिकारियों से भी स्थिति का अपडेट लिया जा रहा है। लाहरपुर निवासी जितेंद्र परमार ने बताया कि तेंदुए के मूवमेंट की जानकारी के बाद दो दिनों से लोगों में डर बना हुआ है। लोग रात में घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। पार्क में आवाजाही बंद होने से भी लोगों में तेंदुए की मौजूदगी को लेकर चिंता है।

रात में पार्क के पीछे के हिस्से में न जाने की हिदायत : वन विभाग के अधिकारियों ने लोगों से खासतौर पर रात में इकोलॉजिकल पार्क के पीछे के हिस्से में नहीं जाने की अपील की है। अधिकारियों के मुताबिक तेंदुए की मौजूदगी की सूचना के बाद लगातार निगरानी की जा रही है। ट्रैप कैमरों से मिलने वाले फुटेज और अन्य संकेतों के आधार पर उसकी लोकेशन का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

मप्र में नर्सेस काउंसिल ने गधे का बना दिया सर्टिफिकेट

250 शुल्क देते ही जारी हो गया सर्टिफिकेट जारी, आवेदन में लगाई गधे की फोटो

भोपाल। मध्य प्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों से जुड़े विवादों के बीच मध्य प्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल की ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन व्यवस्था पर सवाल उठे हैं। काउंसिल ने डिप्टी सीएम एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य सुखवीर सिंह के बाद गधे का भी नर्सिंग सर्टिफिकेट बना दिया। जबकि रजिस्ट्रेशन फार्म में स्पष्ट जानकारी भरी गई थी। NSUI प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने काउंसिल की ऑनलाइन व्यवस्था की जांच के लिए यह आवेदन परीक्षण के तौर पर किया। इसमें आवेदक के नाम में 'डंकी', फोटो में गधे की तस्वीर, पिता के नाम में 'डंकी फादर', माता के नाम में 'डंकी मदर' और जाति के कॉलम में 'एनिमल' दर्ज किया गया। पता भी मनमाने तरीके से भरा गया। इसके बावजूद नर्सिंग रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जारी हो गया। परमार ने इसका वीडियो भी जारी किया है।

10वीं-12वीं के अंक और रोल नंबर भी मनगढ़ंत भरने का दावा : परमार ने बताया कि आवेदन में ट्रेनिंग सेंटर के तौर पर भोपाल नर्सिंग कॉलेज और इटलफ्ठ भोपाल का नाम दर्ज किया गया। 10वीं-12वीं के अंक और रोल नंबर भी मनमाने तरीके से भरे गए। ट्रेनिंग कंप्लीशन सर्टिफिकेट और डिग्री/डिप्लोमा सर्टिफिकेट की जगह दो ब्लैंक पेपर अपलोड किए गए। इसके बाद 250 रुपए ऑनलाइन फीस जमा की गई।

पेमेंट के करीब 5 मिनट बाद सर्टिफिकेट जारी होने का दावा : परमार का दावा है कि भुगतान के करीब पांच मिनट बाद ऑनलाइन नर्सिंग रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जारी हो गया। वीडियो में उन्होंने कथित सर्टिफिकेट भी दिखाया, जिसमें रजिस्ट्रेशन नंबर और डिजिटल साइन होने की बात कही गई है। परमार ने सवाल उठाया कि यदि इस तरह की जानकारी और दस्तावेजों के आधार पर आवेदन स्वीकार होकर सर्टिफिकेट जारी हो सकता है तो आवेदक की पहचान, शैक्षणिक योग्यता और दस्तावेजों का सत्यापन किस स्तर पर किया जाता है।

बोले- तकनीकी गलती नहीं, व्यवस्था की जांच जरूरी : रवि परमार ने इसे सामान्य तकनीकी त्रुटि मानने के बजाय ऑनलाइन सत्यापन व्यवस्था की जांच का विषय बताया। उन्होंने आशंका जताई कि यदि बिना वास्तविक दस्तावेज सत्यापन के रजिस्ट्रेशन जारी हो सकते हैं तो फर्जी रजिस्ट्रेशन का दुरुपयोग भी संभव है। हालांकि, अभी ऐसा कोई स्वतंत्र प्रमाण सामने नहीं आया है जिससे यह साबित हो कि इस तरह जारी किसी कथित फर्जी रजिस्ट्रेशन के आधार पर किसी व्यक्ति ने अस्पताल या सरकारी नौकरी हासिल की है। परमार का कहना है कि जांच में यह स्पष्ट होना चाहिए कि कथित आवेदन किस स्तर पर सत्यापन के बिना स्वीकृत हुआ और सर्टिफिकेट किस प्रक्रिया से जनरेट हुआ। कार्रवाई नहीं होने पर ठरवक ने आंदोलन की चेतावनी दी है।

2 से 10 अक्टूबर तक सेवा मेरा योगदान अभियान, जनभागीदारी से सेवा का बनेगा जनआंदोलन

स्वच्छता से स्वास्थ्य, वृद्धजनों की सेवा से सैनिक सम्मान और जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद

भोपाल। गांधी जयंती से राष्ट्रसेवा और सामाजिक सहभागिता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश में सेवा मेरा योगदान अभियान का आयोजन 2 से 10 अक्टूबर तक किया जाएगा। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत आयोजित इस अभियान में समाज के प्रत्येक वर्ग को सेवा कार्यों से जोड़ते हुए स्वच्छता, स्वास्थ्य, वृद्धजनों एवं अनाथ बच्चों की सेवा, नेत्र परीक्षण, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, वृक्षारोपण, सैनिकों एवं उनके परिवारों का सम्मान तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायता जैसी नौ गतिविधियां प्रदेश में आयोजित की जाएंगी। अभियान का मूल उद्देश्य सेवा को केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए जनभागीदारी और सामाजिक जिम्मेदारी की स्थायी भावना में बदलना है। इसके लिए जिला, विकासखंड, नगरीय निकाय और ग्राम पंचायत स्तर तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, विभागीय अमले और स्थानीय नागरिकों की सहभागिता से सेवा कार्यों को व्यापक स्वरूप दिया जाएगा।

गांधी जयंती पर स्वच्छता कर्मियों का सम्मान, प्लास्टिक मुक्त परिसर का संकल्प

अभियान की शुरूआत 2 अक्टूबर को स्वच्छता ही सेवा गतिविधि से होगी। स्वच्छता कर्मियों का सम्मान करने के साथ प्लास्टिक मुक्त परिसर बनाने का सामूहिक संकल्प दिलाया जाएगा। स्वच्छता जागरूकता रैली और जनसंवाद के माध्यम से गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण तथा वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की जानकारी दी जाएगी। जल स्रोतों, धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों, शासकीय भवनों, उद्यानों, चौराहों, विद्यालयों, बाजारों, चिकित्सालयों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान, श्रमदान तथा सामूहिक संकल्प के कार्यक्रम होंगे। प्रत्येक वार्ड और पंचायत में स्वच्छता बनाए रखने के लिए स्थानीय नागरिकों की जिम्मेदारी तय करने पर भी जोर दिया जाएगा।

स्वास्थ्य शिविरों में जांच, उपचार और योजनाओं की जानकारी : 3 अक्टूबर को प्रदेश में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। इनमें सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण और विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श दिया जाएगा। जरूरतमंदों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने के साथ गंभीर मामलों को संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने और आगे के उपचार के लिए मार्गदर्शन की व्यवस्था रहेगी। स्वास्थ्य शिविरों में लोगों को पोषण, स्वस्थ जीवनशैली और रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करने के साथ शासन की स्वास्थ्य योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

वृद्धाश्रम और अनाथालयों में पहुंचेगी संवेदना : 4 अक्टूबर को वृद्धाश्रमों और अनाथालयों में सेवा गतिविधियां आयोजित होंगी। वृद्धजनों से आत्मीय संवाद कर उनके अनुभव सुने जाएंगे तथा भोजन, फल और दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श और मनोरंजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से वृद्धजनों के साथ अपनत्व का भाव मजबूत किया जाएगा। इसी दिन अनाथालयों में बच्चों के साथ संवाद, भोजन एवं फल वितरण, कपड़े, जूते-चप्पल, स्टेशनरी तथा दैनिक उपयोग की सामग्री उपलब्ध कराने के साथ खेलकूद, सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। बच्चों की शिक्षा में आवश्यक सहयोग और मार्गदर्शन के लिए भी प्रयास किए जाएंगे।

नेत्र परीक्षण से दिव्यांगजन सशक्तिकरण तक सेवा का विस्तार :

6 अक्टूबर को नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित कर विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से दृष्टि संबंधी समस्याओं की जांच की जाएगी। जरूरतमंद लोगों को संभव होने पर निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे तथा गंभीर मामलों को उपचार अथवा ऑपरेशन के लिए संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने में सहयोग किया जाएगा। 8 अक्टूबर को दिव्यांगजन सशक्तिकरण से जुड़ी गतिविधियां होंगी। दिव्यांगजनों को कौशल विकास, स्वरोजगार और रोजगार के अवसरों की जानकारी देने के साथ आवश्यक सामग्री एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराने में सहयोग किया जाएगा। प्रतिभावान दिव्यांगजनों का सम्मान, उनकी निर्मित सामग्री की प्रदर्शनी और प्रेरक संवाद के माध्यम से सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा दिया जाएगा।

एक पेड़ मां के नाम से हरित भागीदारी को मिलेगा विस्तार : 9 अक्टूबर को प्रदेश में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप पौधों का चयन कर रोपण किया जाएगा। एक पेड़ मां के नाम, एक व्यक्ति-एक पौधा और एक परिवार-एक पौधा जैसी पहल को जनभागीदारी से आगे बढ़ाया जाएगा। रोपित पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाएगी।

इसी दिन सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके अभिभावकों के सम्मान के लिए कार्यक्रम होंगे। राष्ट्रसेवा में उनके योगदान और अनुभवों पर आत्मीय संवाद के साथ सैनिक परिवारों की आवश्यकताओं के अनुसार सहयोग एवं मार्गदर्शन दिया जाएगा। युवाओं में राष्ट्रसेवा, अनुशासन और कर्तव्यबोध की भावना को मजबूत करने पर विशेष जोर रहेगा।

10 अक्टूबर को जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में बनेगा समाज भागीदार : अभियान के अंतिम दिन 10 अक्टूबर को जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। स्कूल बैग, पुस्तकें, कॉपियां, स्टेशनरी, यूनिफॉर्म, जूते और अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया जाएगा। साथ ही सक्षम नागरिकों और सामाजिक संगठनों को जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में दीर्घकालीन सहयोग के लिए जोड़ा जाएगा। मेधावी और जरूरतमंद विद्यार्थियों की निरंतर शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए एक विद्यार्थी-एक संकल्प पहल के माध्यम से सहयोग का संकल्प लिया जाएगा। प्रेरक संवाद और मार्गदर्शन के जरिए विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति उत्साह, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की भावना विकसित करने का प्रयास होगा।

सेवा को अभियान नहीं, सामाजिक संस्कार बनाने की पहल : सेवा मेरा योगदान अभियान में विभिन्न विभागों के साथ सामाजिक संगठनों, स्थानीय संस्थाओं और नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय, वन, उद्यानिकी, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, जनजातीय कार्य, पुलिस, आपदा प्रबंधन सहित संबंधित विभाग अपने-अपने स्तर पर गतिविधियों में सहयोग करेंगे।

संयुक्त कलेक्टर को ज्ञापन दिया; 2006 के कानून के तहत पट्टा देने की मांग

आदिवासी बोले-वन अधिकार दावों की दोबारा जांच हो



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। कटनी कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आदिवासी समुदाय के लोगों ने वन अधिकार के निरस्त दावों की दोबारा जांच की मांग की। उन्होंने कलेक्टर के नाम संयुक्त कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत व्यक्तिगत वन अधिकार पट्टा देने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में गोंड आदिवासी दावेदार शामिल थे। उन्होंने बताया कि वे देसवा, महगवा, कटरिया और ढीमरखेड़ा गांव के निवासी हैं। उनका कहना है कि वे जबलपुर जिले के वन विकास निगम की कुंडम परियोजना के कंपार्टमेंट नंबर 347 और 348 की वन भूमि पर लंबे समय से खेती कर रहे हैं।

ग्राम सभा ने दावों को पात्र माना

दावेदारों के अनुसार उन्होंने वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत अपने दावे जमा किए थे। उनका कहना है कि ग्राम सभा ने भी उन्हें पात्र माना और दावे ट्ढक्ष्ब्भ पोर्टल पर दर्ज हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि मौके पर जांच किए बिना उनके दावे निरस्त कर दिए गए।

निरस्त दावों की मौके पर जांच की मांग

आदिवासी परिवारों ने कहा कि दावे निरस्त होने से उनके सामने रोजी-रोटी की समस्या खड़ी हो गई है। उन्होंने निरस्त दावों की मौके पर जाकर दोबारा निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। दावेदारों ने कहा कि वन अधिकार मिलने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

कलेक्टर के मार्गदर्शन की सराहना, एमपीएसएसडीईजीबी की सीईओ अदिति गर्ग ने भेजा प्रशस्ति पत्र

कौशल की राह पर बढ़ते कदम, कटनी की सभी शासकीय आईटीआई की सभी सीटें फुल



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। किसी युवा के हाथ में हुनर हो तो उसके सपनों को मंजिल तक पहुंचने का रास्ता आसान हो जाता है। इसी सोच को साकार करते हुए कटनी जिले ने कौशल विकास के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रवेश सत्र 2026 में जिले की सभी सात शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं की सभी 788 सीटों पर शत-प्रतिशत प्रवेश हुआ है।

यानी जितनी सीटें थीं, उतने ही विद्यार्थियों ने दाखिला लिया और प्रवेश का आंकड़ा सीधे सौ - प्रतिशत पर पहुंच गया। प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के साथ जिले की शासकीय आईटीआई में उपलब्ध सभी सीटें भर गईं। 788 प्रवेशों में 544 पुरुष और 244 महिला विद्यार्थी शामिल हैं। कुल प्रवेश में बेटियों की भागीदारी 30.96 प्रतिशत रही, जो तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में युवतियों की बढ़ती रुचि को भी रेखांकित करती है।

कलेक्टर के मार्गदर्शन को मिली सराहना

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार सृजन बोर्ड, भोपाल सुश्री अदिति गर्ग ने कलेक्टर कटनी श्री आशीष तिवारी को प्रशस्ति पत्र प्रेषित कर बधाई दी है। प्रशस्ति पत्र में जिले की सभी शासकीय आईटीआई में शत-प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित कराने के लिए कलेक्टर श्री तिवारी के सहयोग एवं मार्गदर्शन की विशेष रूप से सराहना की गई है।

आईटीआई बनीं हुनर को पहचान देने की राह

शासकीय आईटीआई केवल प्रशिक्षण का केंद्र नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को कौशल और आत्मविश्वास देने का माध्यम हैं। यहां विभिन्न तकनीकी ट्रेडों में व्यावहारिक और रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे विद्यार्थी प्रशिक्षण पूरा करने के बाद रोजगार, स्वरोजगार और उद्योगों में रोजगार के अवसरों से जुड़ने के लिए तैयार होते हैं। शासकीय आईटीआई के प्राचार्य श्री देवेश मिश्रा और जिला रोजगार कार्यालय के श्री अनिल तिवारी ने कलेक्टर श्री तिवारी से भेंट कर उन्हें प्रशस्ति पत्र भेंट किया।

भागवताचार्य रजनीश शास्त्री बोले चिंता नहीं, चिंतन करें;माता-पिता और गुरुजनों का सम्मान जीवन में लाता है सकारात्मक बदलाव

उप जेल पवई में गूंजा श्रीमद्भागवत का संदेश बंदियों को दिया सकारात्मक जीवन का संकल्प



दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। पवई,,अपराध की दुनिया से दूर होकर आत्मचिंतन, सदाचार और सकारात्मक जीवन की ओर बढ़ने का संदेश देने के उद्देश्य से उप जेल पवई में मंगलवार से सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ जेल प्रशासन द्वारा बंदियों के आध्यात्मिक एवं नैतिक विकास तथा उनमें सकारात्मक जीवन-मूल्यों के संवर्धन के लिए 29 सितंबर से 5 अक्टूबर 2026 तक कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा प्रतिदिन शाम 3:30 बजे से 6 बजे तक उप जेल परिसर में आयोजित होगी। कथा के प्रथम दिन भागवताचार्य पंडित रजनीश शास्त्री महाराज ने श्रीमद्भागवत के महत्व का वर्णन करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मोक्षदायिनी है व्यक्ति को चिंता करने के बजाय चिंतन करना चाहिए उन्होंने कहा कि जीवन में परिवर्तन की शुरूआत स्वयं से होती है अच्छे विचार,आत्मसंयम और सदाचार व्यक्ति के जीवन की दिशा बदल सकते हैं। उन्होंने बंदियों को माता-पिता एवं गुरुजनों के सम्मान का संदेश देते हुए कहा कि सुबह उठकर सबसे पहले माता-पिता और गुरुजनों को प्रणाम करना चाहिए उनके आशीर्वाद और संस्कारों से जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है उन्होंने पितरों के महत्व का वर्णन करते हुए कहा कि व्यक्ति को कभी भी अपने माता-पिता से दूर नहीं होना चाहिए तथा उनके प्रति सम्मान और कर्तव्य की भावना बनाए रखनी चाहिए आध्यात्मिक चेतना से सकारात्मक बदलाव की पहल कथा के माध्यम से बंदियों को सदाचार,आत्मसंयम, सत्य,करुणा,सकारात्मक चिंतन और मानवीय मूल्यों का महत्व समझाया जा रहा है धार्मिक एवं प्रेरणादायी प्रसंगों के जरिए उन्हें जीवन में अच्छे विचार अपनाने और समाज के प्रति जिम्मेदार दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है जेल प्रशासन की यह पहल केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है,बल्कि इसका उद्देश्य बंदियों के भीतर आत्ममंथन और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना भी है आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि जीवन में सकारात्मक परिवर्तन के लिए इच्छाशक्ति,अच्छे संस्कार और सदाचार महत्वपूर्ण आधार हैं जेल अधीक्षक की प्रेरणा से आयोजन। सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन जेल अधीक्षक अभिमन्यु पाण्डेय की प्रेरणा से किया जा रहा है कथा में उप जेल के बंदी एवं जेल स्टाफ श्रद्धापूर्वक शामिल हो रहे हैं आयोजन के दौरान आध्यात्मिक वातावरण में बंदियों को जीवन की दिशा बदलने,आत्मसंयम अपनाने और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया जा रहा है इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, पत्रकारगण, जेल स्टाफ एवं बंदी उपस्थित रहे।



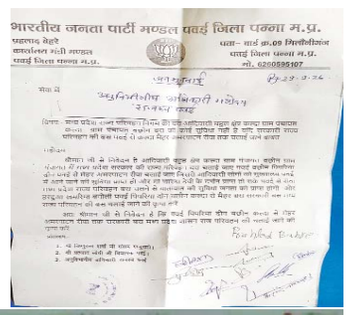
बस की टक्कर से बाइक सवार की मौके पर मौत

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। बहोरीबंद थाना क्षेत्र में सिद्ध बाबा के पास मंगलवार को बस की टक्कर से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान नरेश पिता भागवत, उम्र 48 वर्ष, निवासी जमुनिया, बहोरीबंद के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नरेश बाइक से सिद्ध बाबा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही बस से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि नरेश ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही बहोरीबंद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बहोरीबंद अस्पताल भेजा। पुलिस ने मर्ग कायम कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पवई से मैहर, अमरपाटन और रीवा तक बस चलाने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

आदिवासी बहुल क्षेत्र में सरकारी बस सेवा शुरू कराने की मांग







पवई। आदिवासी बहुल क्षेत्र कल्दा ग्राम पंचायत एवं बछौन क्षेत्र में मध्यप्रदेश शासन की राज्य परिवहन बस सेवा शुरू कराने की मांग को लेकर भाजपा मंडल पवई की ओर से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पवई को ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में बताया गया कि कल्दा ग्राम पंचायत, बछौन सहित आसपास के क्षेत्रों में बस परिवहन की सुविधा उपलब्ध नहीं है। ग्रामीणों को पवई सहित अन्य प्रमुख स्थानों तक आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पवई से बछौन, पिपरियादौन होते हुए मैहर, अमरपाटन और रीवा तक मध्यप्रदेश राज्य परिवहन की बस सेवा संचालित किए जाने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया कि बस सेवा शुरू होने से आदिवासी क्षेत्र के लोगों को पवई मुख्यालय आने-जाने में सुविधा मिलेगी। साथ ही श्रद्धालुओं को मां शारदा देवी के दर्शन के लिए मैहर जाने की सुविधा भी प्राप्त होगी। इसके अलावा पवई से रीवा सहित अन्य क्षेत्रों तक आवागमन सुगम होने से आमजन को लाभ मिलेगा। ज्ञापन में पवई, पिपरियादौन, बछौन और कल्दा से मैहर-अमरपाटन-रीवा तक सरकारी बस सेवा शुरू कराने के लिए शासन स्तर पर आवश्यक कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया गया है। ज्ञापन की प्रतिलिपि सांसद खजुराहो विष्णुदत्त शर्मा, विधायक पवई प्रहलाद लोधी एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पवई को सौंपने वाले प्रहलाद बहरे,पुष्पेंद्र पटेल,हरीराम पटेल,आर,के,नगायच एवं साथीगण मौजूद रहे।

पन्ना पुलिस द्वारा गुनौर थाना अन्तर्गत 72 लीटर अवैध देशी शराब एवं 315 बोर का कट्टा-जिंदा कारतूस सहित 3 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार



पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वन्दना सिंह चौहान के मार्गदर्शन में जिले में अवैध शराब एवं अवैध हथियारों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना गुनौर पुलिस को दिनांक 27.09.2026 की रात्रि मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक बलेनो कार में तीन व्यक्ति अवैध शराब लेकर गुनौर की ओर जा रहे हैं तथा वाहन चालक के पास अवैध कट्टा भी है। सूचना की तस्दीक एवं कार्रवाई हेतु थाना प्रभारी गुनौर उप निरीक्षक बलबीर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा बराछ रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास घेराबंदी की गई। कुछ समय बाद मुखबिर के बताए हुलिए के अनुसार बलेनो कार क्रमांक ट्ढ35अ-4759 आती दिखाई दी। पुलिस टीम को देखकर चालक द्वारा वाहन को भगाने का प्रयास किया गया, जिसे पुलिस टीम ने घेराबंदी कर रोक लिया गया। पुलिस टीम द्वारा नियमानुसार वाहन की तलाशी लेने पर बलेनो कार की डिग्गी में 08 पेटी देशी मदिरा प्लेन मिली। प्रत्येक पेटी में 50-50 क्वार्टर के हिसाब से कुल 400 क्वार्टर, जिसमें लगभग 72 लीटर अवैध शराब बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत ?40,000/- है। इसके साथ ही वाहन चालक प्रिंस वर्मा की तलाशी लेने पर उसकी कमर में पीछे की ओर 315 बोर का देशी कट्टा मिला। कट्टे की जांच करने पर उसमें 01 जिंदा कारतूस लगा हुआ पाया गया। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 307/2026 में धारा 34(2) आबकारी अधिनियम एवं धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया।

नाम पता आरोपी

1.प्रिंस वर्मा पिता राजेश वर्मा, उम्र 19 वर्ष, निवासी लखनपुर, थाना गुनौर, जिला पन्ना। 2.आशीष पटेल पिता राम प्रसाद पटेल, उम्र 20 वर्ष, निवासी झुमटा, थाना गुनौर, जिला पन्ना। 3.अंकित सिंह यादव पिता रामलाल यादव, उम्र 21 वर्ष, निवासी पडेरी, थाना गुनौर, जिला पन्ना। जप्त सामग्री-* 08 पेटी देशी प्लेन शराब – 400 क्वार्टर, 72 लीटर – कीमत लगभग ?40,000/-, 315 बोर का देशी कट्टा – कीमत लगभग ?4,500/- , 01 जिंदा कारतूस – कीमत लगभग ?300/-, बलेनो कार क्रमांक ट्ढ35अ-4759 – कीमत लगभग ?7,00,000/- गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। सराहनीय भूमिका उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी गुनौर उप निरीक्षक बलबीर सिंह,सउनि कुंजबिहारी कोल,प्र.आर. राजेश सिंह, मुकेश शर्मा, राजकुमार रजक, आर. नीलेश ,राजकुमार का सराहनीय योगदान रहा।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं 207 आवेदकों की समस्याएं

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे 207 आवेदकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रत्येक आवेदक की बात गंभीरता, संवेदनशीलता और धैर्यपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का तथ्यात्मक परीक्षण कर समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में समग्र आईडी, भूमि विवाद, राशन, विद्युत बिल, किसान सम्मान निधि, हाट बाजार में स्थान आवंटन तथा भूमि पर कब्जे सहित विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर, एसडीएम कटनी श्री जितेन्द्र पटेल, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रमोद चतुवेर्दी सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में ग्राम सिनगौड़ी निवासी शिव कुमार सेन ने किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने की मांग की। वहीं मुड़वारा, कटनी निवासी नश्बद भुमिया ने विद्युत बिल में अधिक राशि आने की शिकायत करते हुए मीटर की जांच कराने और बिल में आवश्यक सुधार किए जाने का आवेदन दिया। इसी प्रकार ग्राम हरैया निवासी आलोक कुमार सोनी ने ग्राम में लगने वाले हाट बाजार में दुकान लगाने के लिए स्थान आवंटित कराने की मांग की।

पहाड़ी क्लस्टर की 11 पंचायतों के नागरिकों की समस्याओं का होगा निराकरण

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत 3 अक्टूबर को पहाड़ी में आयोजित होगा शिविर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत शनिवार, 3 अक्टूबर को ग्राम पंचायत पहाड़ी मे शिविर आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में प्रत्येक सप्ताह शिविर आयोजित कर नागरिकों की समस्याओं का मौके पर निराकरण तथा पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने की कार्यवाही की जा रही है। अभियान के तहत शनिवार, 3 अक्टूबर को बड़वारा विधानसभा के अंतर्गत पहाड़ी क्लस्टर की 11 पंचायतों भनपुरा न02, शाहपुर, बिछुआ, टेढ़ी, गुबराधरी,, सिंघनपुरी, केवलारी, सलैया, देवरीहटाई, हीरापुरकौड़िया, भनपुरा नं.01 के लिए ग्राम पंचायत भवन पहाडी में शिविर आयोजित होगा। जहां नागरिक अपनी समस्याएं एवं आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। शिविर में सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई एवं लोक सेवा गारंटी अधिनियम से संबंधित लंबित प्रकरणों के निराकरण के साथ विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने की कार्यवाही की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को शिविर के दौरान अधिकतम प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कटनी की छात्रा किरण दुगार्नी स्वर्ण पदक से सम्मानित



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। बरकतुल्ला विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में कटनी की छात्रा किरण दुगार्नी ने प्रबंध संकाय के अंतर्गत सभी पाठ्यक्रमों की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान पाकर शहर को गौरवान्वित किया है। संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट भोपाल की ऐम.बी.ए. इंटीग्रेटेड 2020-25 बैच की छात्रा किरण को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदय एवं विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय के द्वारा स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में आने वाले समस्त प्रबंध संस्थानों में से संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट की छात्रा के द्वारा पुनः प्रावीण्य सूची में आना गौरव का विषय है। किरण दुगार्नी ने स्कूली शिक्षा डी.ए.वी. ए.सी.सी. पब्लिक स्कूल कटनी से उत्तीर्ण करने के बाद 2020 में एम.बी.ए. इंटीग्रेटेड में एस.एच.आई.एम. में प्रवेश लिया। किरण ने अपनी इस सफलता का श्रेय शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं माता-पिता की प्रेरणा को दिया। इस उपलब्धि पर संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर हीरो ज्ञानचंदानी ने छात्रा को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। संस्था के डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर एवं सभी शिक्षकों ने छात्रा को बधाई दी।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स,वार्ड वॉय,आया बाई,फिजियोथैरेपी और दवाईयाँ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो.जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

शासकीय महाविद्यालय विजयराघवगढ़ के विद्यार्थियों को वैज्ञानिक विधि से फसल उत्पादन का दिया गया तकनीकी प्रशिक्षण

कटनी । मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग की पहल पर विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से शासकीय महाविद्यालय विजयराघवगढ़ में व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत जैविक खेती का तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जैविक कृषि विशेषज्ञ रामसुख दुबे द्वारा विद्यार्थियों को वैज्ञानिक पद्धति से कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों के असंतुलित उपयोग से भूमि, मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को जैविक खेती अपनाने, मृदा की उर्वरता बनाए रखने तथा उत्पादन लागत कम कर अधिक लाभ प्राप्त करने के उपाय बताए गए।

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

मानसून की विदाई शुरू, जबलपुर में अब तक 845.2 मिलीमीटर बारिश

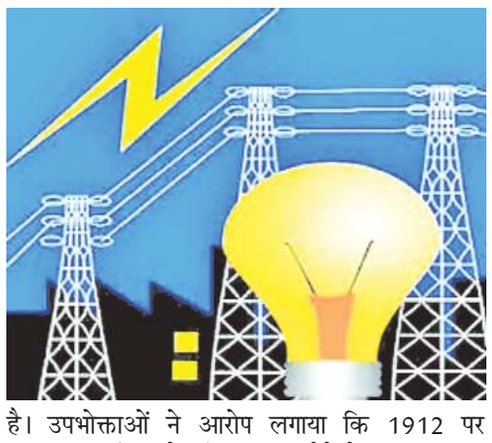


दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। देश में करीब 80 फीसदी बारिश देने वाला दक्षिण-पश्चिम मानसून अब विदाई की ओर बढ़ रहा है। जबलपुर में मानसूनी सीजन की आधिकारिक अवधि 30 सितंबर तक निर्धारित है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार जिले में एक जून से 30 सितंबर तक होने वाली बारिश को मानसूनी सीजन में दर्ज किया जाता है। इसके बाद होने वाली बारिश को शीतकालीन सीजन के आंकड़ों में शामिल किया जाएगा। जबलपुर में इस मानसूनी सीजन में अब तक 845.2 मिलीमीटर यानी 33.27 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। जिले में मानसूनी बारिश का औसत करीब 48 इंच निर्धारित है। मानसूनी सीजन के अब कुछ ही दिन शेष हैं और फिलहाल किसी प्रभावी मानसूनी सिस्टम के सक्रिय होने के संकेत नहीं हैं। ऐसे में इस सीजन में दर्ज बारिश का आंकड़ा 845.2 मिलीमीटर के आसपास ही रहने की संभावना है। पिछले वर्ष इसी अवधि में जबलपुर में 1180.6 मिलीमीटर यानी 46.48 इंच बारिश दर्ज की गई थी। इस लिहाज से इस बार पिछले वर्ष की तुलना में बारिश का आंकड़ा काफी कम रहा है। हालांकि मानसूनी सीजन के दौरान अलग-अलग समय पर हुई बारिश से जिले में जल स्रोतों और बांधों में पानी की स्थिति में बदलाव देखने को मिला। बीते दिनों हुई बारिश का असर तापमान पर भी पड़ा था। बारिश के कारण दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई थी और मौसम में ठंडक महसूस होने लगी थी। अब धूप निकलने के साथ तापमान में फिर बढ़ोतरी महसूस होने लगी है। दिन में धूप तेज होने से गर्मी का असर भी दिखाई देने लगा है। इधर, मानसून की विदाई के साथ पिछले दिनों हुई भारी बारिश का असर बरगी बांध क्षेत्र में भी दिखाई दिया है। बरगी बांध के 17 गेट खोले जाने के दौरान निकली तेज जलराशि के कारण बांध के सामने बने छोटे पुल की चारदीवारी क्षतिग्रस्त होकर बह गई। गेट बंद होने और पानी का स्तर कम होने के बाद पुल की स्थिति सामने आई। बताया गया कि बांध की ओर बनी चारदीवारी का एक हिस्सा पानी के तेज बहाव में बहकर सड़क पर आ गया है। इसके कारण बांध के दोनों तरफ आने-जाने वाले चार पहिया वाहनों का आवागमन प्रभावित हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह पुल करीब चार दशक पुराना है और लंबे समय से क्षेत्र में आवागमन का महत्वपूर्ण माध्यम बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल के क्षतिग्रस्त होने से आवागमन की समस्या बढ़ सकती है। उनका कहना है कि समय-समय पर पुल की चारदीवारी और अन्य हिस्सों का रखरखाव किया जाता तो स्थिति इतनी खराब नहीं होती। अब पुल की क्षतिग्रस्त चारदीवारी का जल्द सुधार कराया जाना जरूरी बताया जा रहा है, ताकि आवागमन प्रभावित न हो। लोगों के अनुसार यदि समय रहते पुल की मरम्मत और सुरक्षा संबंधी काम नहीं कराए गए तो आगे समस्या बढ़ सकती है। पुल क्षेत्र में चार पहिया वाहनों



का आवागमन पहले ही प्रभावित है। ऐसे में क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत और सड़क से हटाने की कार्रवाई आवश्यक होगी, ताकि मार्ग को सुरक्षित तरीके से चालू रखा जा सके। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और गुजरात के कई हिस्सों से विदा हो चुका है और अब मध्यप्रदेश से भी इसकी वापसी की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। मानसून के पूरी तरह विदा होने में अभी कुछ समय लग सकता है। फिलहाल किसी नए प्रभावी मानसूनी सिस्टम के संकेत नहीं होने से जबलपुर में मानसूनी बारिश का दौर समाप्ति की ओर माना जा रहा है।

कई दिनों से बिजली संकट, 1912 पर शिकायत के बाद भी निराकरण नहीं होने का आरोप



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर के स्थानीय क्षेत्र में पिछले तीन-चार दिनों से बिजली संकट बना हुआ है। बिजली आपूर्ति बाधित होने से रहवासी और दुकानदार परेशान हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि बिजली गुल होने के बाद विभाग के टोल-फ्री नंबर 1912 पर शिकायत दर्ज कराने के बावजूद शिकायत संबंधित अधिकारियों और मैदानी अमले तक आगे नहीं भेजी जा रही है। इसके चलते बिजली संबंधी समस्या का समय पर निराकरण नहीं हो पा रहा है। रहवासियों के अनुसार बिजली गुल होने के बाद उन्होंने 1912 पर कई बार शिकायत दर्ज कराई। उपभोक्ताओं को उम्मीद थी कि शिकायत दर्ज होते ही वह संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों तक पहुंच जाएगी और इसके आधार पर सुधार कार्य शुरू कराया जाएगा। लेकिन शिकायत दर्ज होने के बाद भी मौके पर सुधार दल नहीं पहुंचने से समस्या बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत दर्ज कराने के बावजूद अब तक बिजली व्यवस्था सामान्य नहीं हो सकी है। लंबे समय तक बिजली बंद रहने से घरों में दैनिक कामकाज प्रभावित हो रहा है। वहीं बिजली पर निर्भर दुकानों और छोटे कारोबारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रहवासियों का कहना है कि समस्या के संबंध में विभाग की ओर से स्पष्ट जानकारी भी नहीं दी जा रही है। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि 1912 पर शिकायत दर्ज कराने की व्यवस्था होने के बावजूद यदि शिकायत संबंधित क्षेत्र के कर्मचारियों तक नहीं पहुंचती है तो इसका उद्देश्य पूरा नहीं हो रहा है। उनका कहना है कि शिकायत दर्ज होने के बाद उसकी स्थिति की जानकारी मिलनी चाहिए और संबंधित मैदानी अमले को तत्काल मौके पर भेजा जाना चाहिए। बिजली समस्या को लेकर क्षेत्र के मेंटेनेंस अधिकारियों से संपर्क करने का भी प्रयास किया गया। रहवासियों के अनुसार कई बार फोन लगाने के बावजूद अधिकारियों ने फोन नहीं उठाया। इससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि फोन पर ही बिजली बंद होने का कारण और सुधार कार्य की स्थिति की जानकारी मिल जाए तो उन्हें बार-बार शिकायत करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। रहवासियों के मुताबिक तीन-चार दिनों से बिजली संकट रहने के कारण स्थिति लगातार परेशानी वाली बनी हुई है। बिजली आपूर्ति बाधित होने से घरों में बिजली से चलने वाले उपकरणों का इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है। दुकानदारों का काम भी प्रभावित हो रहा है। लोगों का कहना है कि लगातार शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से विभाग की शिकायत व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय उपभोक्ताओं ने मांग की है कि 1912 पर दर्ज शिकायतों की निगरानी की व्यवस्था प्रभावी की जाए और शिकायत संबंधित क्षेत्र के अधिकारी तथा मैदानी कर्मचारियों तक तत्काल पहुंचाई जाए। इसके साथ ही लंबे समय से बिजली बंद रहने वाले क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर सुधार दल भेजने की मांग की गई है। रहवासियों का कहना है कि बिजली जैसी आवश्यक सेवा में कई दिनों तक समस्या बनी रहना गंभीर स्थिति है। विभाग को शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के साथ उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति बहाल होने की जानकारी भी देनी चाहिए। फिलहाल क्षेत्र में बिजली संकट को लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी बनी हुई है।

खेत में जंगली सुअर को मारने लगाए बिजली के तार की चपेट में आया युवक, मौत



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहपुरा थाना क्षेत्र में जंगली सुअर को मारने के लिए खेत में लगाए गए बिजली के तार की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना राम जानकी मंदिर ट्रस्ट के खेत में हुई। पुलिस ने मामले में खेत में तार लगाने वाले किसान विवेक सिंह राजपूत के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सगड़ा महगवां निवासी 26 वर्षीय विवेक सिंह राजपूत खेती-किसानी करता है। उसने गांव में राम जानकी मंदिर ट्रस्ट का एक खेत सिकमी पर लिया था, जहां वह फसल की खेती कर रहा था। खेत के पास खदान की ओर जंगली सुअर आने के कारण उसने उन्हें रोकने या मारने के लिए बिजली का तार लगा रखा था। इसी तार में करंट प्रवाहित हो रहा था। बताया गया कि 7 सितंबर की सुबह करीब 11 बजे विवेक अपनी फसल देखने खेत पर पहुंचा था। इस दौरान उसे खेत में एक व्यक्ति पेट के बल पड़ा दिखाई दिया। काफी देर तक उसके नहीं उठने पर विवेक उसके पास पहुंचा और आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। जांच करने पर पता चला कि व्यक्ति की मौत हो चुकी थी। इसके बाद विवेक ने गांव के कोटवार गिरवर प्रसाद को घटना की जानकारी दी। उसने बताया कि उसके खेत में एक अज्ञात व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलने पर शहपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम किया। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के दौरान मृतक की पहचान और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतक महेंद्र धुर्वे था। वह रमखिरिया निवासी अपने रिश्तेदार रामनारायण गौड़ के यहां से अपनी ससुराल मटवारा जाने के लिए निकला था। बताया गया कि रात करीब 10 से 11 बजे के बीच वह रमखिरिया से पैदल खेतों के रास्ते मटवारा की ओर जा रहा था। रास्ते में महेंद्र के दोनों पैर खेत में लगाए गए बिजली के तार के संपर्क में आ गए। करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। रात का समय होने के कारण घटना की जानकारी तत्काल नहीं हो सकी। अगले दिन सुबह खेत पहुंचे विवेक ने उसे मृत अवस्था में देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस की जांच में सामने आया कि खेत में लगाया गया बिजली का तार लोगों की आवाजाही वाले रास्ते के पास था और उसमें करंट प्रवाहित किया जा रहा था। इसी तार की चपेट में आने से महेंद्र की जान चली गई। घटना के बाद पुलिस ने खेत में लगाए गए तार और बिजली कनेक्शन से संबंधित जानकारी भी जुटाई। मामले में पुलिस ने विवेक सिंह राजपूत के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। पुलिस का कहना है कि प्रकरण की विवेचना जारी है और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि खेत में बिजली का तार किस तरह लगाया गया था और उसमें करंट की व्यवस्था कैसे की गई थी।

आरपीएफ ने जबलपुर स्टेशन पर नाबालिग को सुरक्षित रेस्क्यू कर परिजनों तक पहुंचाया

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन ह्यनन्हे फरिश्तेह्व के तहत जबलपुर रेलवे स्टेशन पर अकेले घूम रहे एक नाबालिग को सुरक्षित रेस्क्यू किया। बालक अपने घर से बिना बताए पहले ठाकुर्ली से लोकल ट्रेन में सवार होकर कल्याण पहुंचा और वहां से दूसरी ट्रेन से जबलपुर आ गया था। प्लेटफॉर्म पर अकेले घूमते बालक को आरपीएफ जवानों ने अपनी निगरानी में लिया और पूछताछ के बाद उसके परिजनों की तलाश शुरू की। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी राजीव खरब ने बताया कि 27 सितंबर को सहायक उप निरीक्षक धीरज कुमार और आरक्षक अरुण यादव जबलपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर छह पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर अकेले घूम रहे एक नाबालिग पर पड़ी। जवानों ने उससे पूछताछ की, लेकिन शुरूआत में वह अपने संबंध में संतोषजनक जानकारी नहीं दे सका। इसके बाद उसे सुरक्षित आरपीएफ पोस्ट पर लाया गया। आरपीएफ पोस्ट पर स्टाफ ने बालक को विश्वास में लेकर चाय-नाश्ता कराया और सहज तरीके से बातचीत शुरू की। बातचीत के दौरान बालक ने बताया कि वह 26 सितंबर को अपने घर से बिना बताए ठाकुर्ली से लोकल ट्रेन में बैठकर कल्याण पहुंचा था। इसके बाद उसने दूसरी ट्रेन पकड़ी और जबलपुर आ गया। ट्रेन के आगे रवाना होने के बाद वह जबलपुर स्टेशन पर उतर गया और अकेला प्लेटफॉर्म पर घूम रहा था। पूछताछ के दौरान बालक को अपनी मां का मोबाइल नंबर याद था। हालांकि उसे पूरा नंबर याद नहीं था और उसमें एक अंक कम था। अधूरे नंबर के कारण परिजनों से सीधे संपर्क करना चुनौतीपूर्ण था। इसके बावजूद आरपीएफ स्टाफ ने बालक से मिली जानकारी के आधार पर संभावित मोबाइल नंबरों की तलाश शुरू की। आरपीएफ स्टाफ ने तकनीकी माध्यम से संभावित नंबरों की जांच की। इस दौरान एक मोबाइल नंबर पर बालक की मां का नाम सामने आया। नंबर की पुष्टि करने के बाद आरपीएफ ने उस पर संपर्क किया। बातचीत में बालक की मां से जानकारी की पुष्टि हुई और उन्हें बताया गया कि उनका बच्चा जबलपुर रेलवे स्टेशन पर सुरक्षित मिल गया है।

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने एकलव्य विद्यालय और नवनिर्मित छात्रावास का किया औचक निरीक्षण



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने मंगलवार को रामपुर छापर स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं और विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों एवं परियोजनाओं को देखा। कलेक्टर श्री सिंह ने विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों से उनके द्वारा तैयार किए गए मॉडलों और परियोजनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों से प्रोजेक्ट से जुड़े सवाल पूछे और उनके जवाब सुने। विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने उनका उत्साहवर्धन किया और विज्ञान के प्रति रुचि बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों से सीधे संवाद भी किया। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई से संबंधित प्रश्न पूछे तथा आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों के बारे में चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों से विद्यालय के बाद छात्रावास में मिलने वाली आवासीय सुविधाओं की जानकारी भी ली और उनकी समस्याओं तथा आवश्यकताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति, शैक्षणिक व्यवस्था और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से पढ़ाई करने, कड़ी मेहनत करने और अपने लक्ष्य की दिशा में निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मेहनत और लगन के साथ विद्यार्थी अपने भविष्य को बेहतर बना सकते हैं। इसके बाद कलेक्टर श्री सिंह ने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के नवनिर्मित छात्रावास का भी निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास में उपलब्ध कराए गए फर्नीचर और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए बनाए गए कमरों का भी अवलोकन किया और वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने छात्रावास की भोजनशाला में पहुंचकर भोजन तैयार करने वाली रसोई तथा विद्यार्थियों के भोजन करने के स्थान की व्यवस्थाएं भी देखीं। उन्होंने भोजन की व्यवस्था और छात्रावास में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास परिसर के बाहर लगे टावर के आसपास सुरक्षा की दृष्टि से फेंसिंग कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने विद्युत तारों को भी व्यवस्थित कराने के निर्देश दिए, ताकि छात्रावास परिसर में विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से छात्रावास की अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक सुधार समय पर कराने के निर्देश दिए। ज्ञात हो कि विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए यहां दो छात्रावासों का निर्माण कराया गया है। दोनों छात्रावासों के निर्माण पर कुल 23 करोड़ 39 लाख रुपए की लागत आई है। दोनों छात्रावासों में 125-125 कमरे बनाए गए हैं। इस प्रकार दोनों छात्रावासों में कुल 250 कमरे उपलब्ध हैं।

संजीवनी नगर में अवैध शराब पर पुलिस का शिकंजा

घर से 65.88 लीटर शराब बरामद, आरोपी फरार



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर में अवैध शराब के भंडारण और कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बीच संजीवनी नगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शिव बारात भवन के पास एक मकान में छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में देशी और अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने मौके से कुल 65 लीटर 880 मिलीलीटर शराब जब्त की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपये बताई गई है। तलाशी के दौरान पुलिस को एक वीवो मोबाइल फोन और 800 रुपये नकद भी मिले हैं। कार्रवाई के दौरान पुलिस को देखकर शराब का कथित कारोबारी बद्दू उर्फ अभिषेक वर्मन मौके से भाग निकला। पुलिस टीम ने काफी दूर तक उसका पीछा किया, लेकिन घनी बस्ती और संकरी गलियों का फायदा उठाकर वह फरार होने में सफल रहा। पुलिस ने उसके खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस- पुलिस के अनुसार 29 सितंबर 2026 को संजीवनी नगर थाने में पदस्थ उप निरीक्षक किशोर बागडी हमराह पुलिसकर्मियों के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान गुलौआ चौक के पास एक विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि गौरे लाल का बाड़ा, शिव बारात भवन के पास रहने वाला अभिषेक वर्मन अपने मकान में बड़ी मात्रा में अवैध शराब छिपाकर रखे हुए है। सूचना में यह भी बताया गया कि शराब को बिक्री के उद्देश्य से रखा गया है और तत्काल दबिश देने पर बरामदगी हो सकती है। सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी। स्वतंत्र पंचों अभिषेक पटेल उम्र 22 वर्ष निवासी शाही नाका चपरिया मोहल्ला और करण वर्मन उम्र 21 वर्ष निवासी 90 क्वार्टर संजीवनी नगर को सूचना से अवगत कराया गया। आवश्यक पंचनामा कार्रवाई पूरी करने के बाद पुलिस टीम पंचों के साथ बताए गए स्थान के लिए रवाना हुई।

पुलिस पहुंची तो भाग निकला आरोपी- पुलिस टीम ने शिव बारात भवन के पास गौरे लाल के बाड़े में बताए गए मकान की घेराबंदी की। इसी दौरान पुलिस को देखकर एक युवक मकान से निकलकर भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा किया। मौके पर मौजूद पंचों और आसपास के लोगों ने भागने वाले युवक की पहचान बद्दू उर्फ अभिषेक वर्मन पिता स्वर्गीय मुन्ना लाल वर्मन के रूप में की। पुलिस टीम ने आरोपी को पकड़ने के लिए काफी दूर तक पीछा किया, लेकिन वह घनी बस्ती और संकरी गलियों का फायदा उठाकर पुलिस को चकमा देने में सफल रहा। आरोपी के फरार होने के बाद पुलिस ने उसके मकान की विधिवत तलाशी शुरू की।

पेटियों और काटूर्नों में छिपाकर रखी थी शराब- तलाशी के दौरान मकान के अंदर खाकी रंग की पेटियों और काटूर्नों में शराब छिपाकर रखी मिली। जब पुलिस ने पंचों की मौजूदगी में पेटियां और कार्टून खोले तो उनमें देशी और अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप बरामद हुई। बरामद शराब में 8 पीएम स्पेशल 750 एमएल की 12 सीलबंद बोतलें शामिल थीं, जिनकी कुल मात्रा 9 लीटर है। इसके अलावा 180 एमएल वाली देशी प्लेन शराब के 50 पाव बरामद हुए, जिनकी कुल मात्रा 9 लीटर है। सबसे अधिक मात्रा में देशी मसाला लाल शराब बरामद हुई। पुलिस के मुताबिक 180 एमएल के कुल 245 पाव मिले, जिनकी कुल मात्रा 44 लीटर 100 मिलीलीटर है। इसके अलावा 8 पीएम स्पेशल 180 एमएल की 21 सीलबंद बोतलें भी मिलीं, जिनकी कुल मात्रा 3 लीटर 780 मिलीलीटर है। कुल मिलाकर पुलिस ने 65 लीटर 880 मिलीलीटर अवैध शराब जब्त की है। इसकी अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपये बताई गई है।

शराब के साथ मोबाइल और नकदी भी मिली- तलाशी के दौरान पुलिस को एक नीले रंग का वीवो कंपनी का टचस्क्रीन मोबाइल फोन मिला। इसके अलावा सफेद रंग के प्लास्टिक डिब्बे में 10 और 20 रुपये के नोट रखे मिले। पुलिस ने कुल 800 रुपये नकद भी जब्त किए हैं।

ई साक्ष्य एप पर रिकॉर्ड हुई कार्रवाई- पुलिस ने जब्ती की पूरी कार्रवाई को ई साक्ष्य एप के माध्यम से रिकॉर्ड किया। पुलिस के अनुसार दोपहर 12 बजकर 42 मिनट पर स्वतंत्र पंचों और पड़ोसियों की मौजूदगी में बरामदगी और जब्ती की वीडियोग्राफी तथा फोटोग्राफी की गई। बरामद शराब के सैंपल, शराब की पेटियां, मोबाइल और नकदी को नियमानुसार अलग अलग सीलबंद कर पुलिस ने कब्जे में लिया। जब्त सामग्री को थाने लाकर मालखाने में सुरक्षित जमा कराया गया है।

अब शराब के स्रोत की तलाश- पुलिस ने फरार आरोपी बद्दू उर्फ अभिषेक वर्मन के खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। अब जांच का एक अहम पहलू यह भी है कि आरोपी के पास इतनी बड़ी मात्रा में शराब कहां से पहुंची और इसे किन लोगों को बेचने की तैयारी थी। पुलिस शराब के स्रोत और उसके संभावित नेटवर्क के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है।

थाना प्रभारी के मार्गदर्शन में कार्रवाई- पूरी कार्रवाई थाना प्रभारी संजीवनी नगर निरीक्षक बीडी द्विवेदी के मार्गदर्शन में उप निरीक्षक किशोर बागडी के नेतृत्व में की गई। टीम में प्रधान आरक्षक 357 संतोष पटेल, आरक्षक 2437 आकाश पांडे, आरक्षक 2557 अनुज सेंगर और महिला आरक्षक 869 केगेश्वरी धुर्वे की भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक अवैध शराब के भंडारण और बिक्री के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592